धनबाद, शनिवार
04 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 274
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

'फिट इंडिया' का सपना जल्द होगा साकार: राजभूषण चौधरी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केन्द्रीय जल संसाधन राज्यमंत्री राजभूषण चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि 'फिट इंडिया' का सपना जल्द साकार करने के लिए तेजी से कार्य जारी है। इससे समाज का हर वर्ग शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बन सकेगा।

राजभूषण चौधरी आज दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में 'मेडस्केप इंडिया' द्वारा आयोजित 'फिट इंडिया कॉन्क्लेव 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस विशेष कार्यक्रम के आयोजन में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम) ने भी अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार 'फिट इंडिया' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तेजी से काम कर रही है।

मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत' योजना' के जरिए देश के गरीब से गरीब व्यक्ति को भी बेहतर चिकित्सा का लाभ मिल पा रहा है।

जापानी कंपनियां ओडिशा में करेंगी 67,000 करोड़ का निवेश

भुवनेश्वर, (एजेंसी) : ओडिशा सरकार ने जापान के साथ अपनी रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को मजबूत करते हुए जापान की आईएचआई कॉर्पोरेशन और एसीएमई ग्रुप के साथ 67,000 करोड़ रुपये के निवेश संबंधी महत्वपूर्ण मेमोरेंडम ऑफ कोऑपरेशन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस निवेश से राज्य में हरित ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

यह समझौता राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'इंटरैक्शन विद जापानी बिजनेस डेलीगेट्स' कार्यक्रम के दौरान हुआ। प्रस्तावित निवेश से करीब 7,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। राज्य सरकार का मानना है कि यह साझेदारी ओडिशा को स्वच्छ ऊर्जा और वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगी।

समझौते के तहत गोपालपुर-टाटा विशेष आर्थिक क्षेत्र में 0.4 एमटीपीए क्षमता का ग्रीन अमोनिया संयंत्र स्थापित किया जाएगा, जिसमें 20,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा और लगभग 3,400 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा, इस परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये की लागत से जेटी-लेस फ्लोटिंग टर्मिनल का निर्माण भी किया जाएगा।

मूसलाधार बारिश से मुंबई और आस-पास का जनजीवन अस्त व्यस्त

मुंबई, (एजेंसी) : महाराष्ट्र में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से शुक्रवार को मुंबई और आस पास के इलाकों में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। भारतीय मौसम विभाग ने आज पुणे और रायगढ़ जिले के लिए रेड अलर्ट और मुंबई, ठाणे, पालघर जिले सहित सूबे के कोंकण, विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इससे इन जिलों में आपातकालीन व्यवस्था को सुसज्ज रखा गया है।

मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि पूरे राज्य में भारी बारिश जारी रहेगी और अगले कुछ दिनों में बारिश की तीव्रता और बढने की संभावना है। खासकर मुंबई, कोंकण, विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। यह भी चेतावनी दी गई है कि कुछ जगहों पर भारी बारिश की स्थिति बन सकती है।मौसम विभाग के अनुसार अगले 72 घंटों तक मुंबई में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। कुछ इलाकों में सिर्फ 24 घंटों में 200 एमएम तक बारिश हो सकती है। इसलिए, नागरिकों से जरूरी सावधानी बरतने की अपील की गई है।

संघ सेंट्रली या रिमोट से कुछ भी संचालित नहीं करता: डॉ. मोहन भागवत

नागपुर, (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि समाज में विभिन्न क्षेत्रों में संघ के स्वयंसेवक कार्य करते हैं। नतीजतन लोगों को लगता है कि सबकुछ संघ द्वारा सेंट्रली या रिमोट से संचालित होता है, लेकिन यह गलत धारणा है। संघ ऐसा कुछ नहीं करता। संघ का कार्य केवल संगठन चलाना नहीं बल्कि ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण करना है, जो अपने आचरण से समाज का मार्गदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक का पहला गुण केवल सक्रिय कार्यकर्ता बनना नहीं बल्कि संघ के विचारों के अनुरूप जीवन जीना है।नागपुर के साइंटिफिक सभागार में ₹डॉ. हेडगेवार : आधुनिक युग के शालिवाहन₹ विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि कार्य का स्वरूप समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसका मूल तत्व कभी नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिद्धांत केवल पुस्तकों में पढ़ने या भाषणों में सुनने की चीज नहीं हैं बल्कि उन्हें

अपने जीवन में उतारना ही वास्तविक साधना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज में स्वयंसेवकों की भागीदारी से चलने वाली सभी गतिविधियों का संचालन संघ केंद्रीय रूप से नहीं करता। संघ का उद्देश्य समाज की आवश्यकता के अनुरूप चरित्रवान और संस्कारित व्यक्तियों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि संघ की शाखाएं विचारों की प्रयोगशाला हैं, जहां ऐसे व्यक्तित्व तैयार होते हैं जिनका प्रभाव उनके परिवार और समाज में दिखाई देता है।डॉ. भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक का जीवन पूर्णता की साधना है और यह साधना जीवनभर चलती है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को विश्व का मार्गदर्शक बनना है, तो भारतीयों और उनके परिवारों को ऐसा जीवन जीना होगा, जिससे दुनिया स्वयं प्रेरणा ले सके। उन्होंने बताया कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भी अपने पूरे जीवन में निरंतर आत्मसाधना की और अपने आचरण से आदर्श प्रस्तुत किया।

सरसंघचालक ने कहा कि डॉ. हेडगेवार के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता उनका पूर्ण समर्पण था। उन्होंने तन, मन और धन के साथ-साथ अपने स्वभाव तक का त्याग किया। डॉ. भागवत ने कहा कि अपने स्वभाव और अहंकार का त्याग करना सबसे कठिन होता है। उन्होंने आगाह किया कि समर्पण के मार्ग पर आगे बढ़ते समय 'मैं समर्पित हूं' का अहंकार भी नहीं आना चाहिए।उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता से पहले और उसके बाद भी देश में पश्चिमी जीवन शैली का अनुकरण करने की प्रवृत्ति रही, लेकिन डॉ. हेडगेवार ने अपने जीवन से भारतीय जीवन मूल्यों का आदर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दुनिया को जिस प्रकार का जीवन देना है, उसे पहले स्वयं अपनाना आवश्यक है। डॉ. भागवत ने कहा कि आज देश-विदेश के अनेक लोग अपने युवाओं के प्रशिक्षण के लिए संघ से प्रेरणा लेने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं।

विकसित भारत 2047 की परिकल्पना वीबी-जी राम-जी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से साकार होगी: लक्ष्मी वर्मा

रायपुर, (एजेंसी) : भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रायपुर ने शुक्रवार को रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कॉन्फ्रेंस हॉल में विकसित भारतझ्र गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) [वीबी-जी राम-जी] अधिनियम, 2025 विषय पर मीडिया वार्ता का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना वीबी-जी राम-जी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से साकार होगी।सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना वीबी-जी राम-जी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से साकार होगी। उन्होंने कहा कि एक जुलाई 2026 से अधिनियम लागू होने के बाद ग्रामीण आजीविका को नई दिशा मिली है। यह व्यवस्था ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ रोजगार और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि कहा कि नई व्यवस्था में पूर्ववर्ती प्रणाली की तकनीकी एवं प्रक्रियागत कमियों

को दूर करते हुए ग्रामीण विकास को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया गया है। अधिनियम के अंतर्गत रोजगार की अवधि 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है तथा मजदूरी दर में भी वृद्धि का प्रावधान किया गया है। जॉब कार्डधारकों को समयबद्ध एवं सुनिश्चित रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया है।उन्होंने बताया कि सभी विकास कार्यों का विवरण संबंधित ऑनलाइन पोर्टलों पर उपलब्ध कराया जाएगा तथा प्रत्येक कार्य की नियमित निगरानी की जाएगी। कार्यों की जियो-टैगिंग के माध्यम से प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक दूरसंचार अवसंरचना विकसित की जाएगी। ग्राम पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करेंगी, जिनका जनपद एवं जिला स्तर पर परीक्षण एवं अनुमोदन किया जाएगा।कार्यक्रम के विषय वक्ता तथा वीबी-जी राम-जी राज्य कार्यालय, नवा रायपुर के डिप्टी कमिश्नर नितेश उपाध्याय ने अधिनियम के क्रियान्वयन संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी।

प्रधानमंत्री 6 जुलाई से इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर रहेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 से 11 जुलाई तक छह दिवसीय हिंद-प्रशांत क्षेत्र के तीन देशों इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर रहेंगे। न्यूजीलैंड की उनकी यात्रा 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी, इससे पहले राजीव गांधी ने 1986 में न्यूजीलैंड की यात्रा की थी।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 8 और 9 जुलाई को इंडोनेशिया का दौरा करेंगे। इसके बाद वे 10 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न और फिर 11 जुलाई को न्यूजीलैंड में होंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इंडोनेशिया में उनका मुख्य कार्यक्रम राजधानी जकार्ता में होगा। वे सांस्कृतिक केंद्र और ऐतिहासिक शहर योग्याकार्ता का भी दौरा करेंगे। यहां

वे प्रंबानन मंदिर परिसर जाएंगे। भारत और इंडोनेशिया विश्व धरोहर स्थल के संरक्षण कार्यों में सहयोग करने की योजना बना रहे हैं।उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया की यह यात्रा द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चल रही चचाओं की निरंतरता होगी।

मेलबर्न में प्रधानमंत्री भारत-ऑस्ट्रेलिया के तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं की बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों के उभरते क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिज, साइबर सुरक्षा क्षेत्र, आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन, उभरती प्रौद्योगिकी इत्यादि।

ऑस्ट्रेलिया के बाद प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड की यात्रा पर रहेंगे। वे वहां प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ चर्चा करेंगे। न्यूजीलैंड की यह यात्रा भारतीय प्रधानमंत्री की 40 वर्षों में पहली यात्रा होगी।

साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि निजता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा : स्पीकर

रांची, (एजेंसी) : झारखंड विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रशासन के संचालन, आर्थिक गतिविधि और नागरिकों की सुरक्षा और निजता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है।

महतो बतौर मुख्य अतिथि शुक्रवार को पुराने झारखड विधान सभा परिसर में बाल कल्याण संघ, द एशिया फाउंडेशन और साइबर पीस के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल युग के बढ़ते साइबर खतरों, डिजिटल धोखाधड़ी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रणनीतिक क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग विकास और सुशासन के लिए अत्यंत उपयोगी है, लेकिन इसके सुरक्षित और नैतिक उपयोग के प्रति जागरूकता भी उतनी ही

आवश्यक है ताकि हमारी निजता एवं सरकारी अभिलेखों एवं आर्थिक गतिविधियों की गोपनीयता सुरक्षित रह सके।

स्पीकर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को नई तकनीकों, साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी होना समय की आवश्यकता है।

ऐसे कार्यशाला जनप्रतिनिधियों की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ डिजिटल रूप से सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मौके पर राज्यसभा सदस्या महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, विधायक नवीन जयसवाल ने भी डिजिटल शासन के बढ़ते दायरे और उससे जुड़े साइबर सुरक्षा की चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

कार्यशाला के दौरान साइबर सुरक्षा की बुनियादी समझ, वर्तमान साइबर खतरों और एआई प्रेरित जोखिमों के प्रति जागरूकता, सरकारी प्रणालियों को सुरक्षित रखने के उपाय, साइबर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश, नागरिकों के डेटा के सुरक्षित प्रबंधन, डिजिटल सेवा वितरण के प्रोटोकॉल एवं त्वरित घटना पर प्रतिक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों की ओर से विस्तृत प्रस्तुतीकरण दी गई।

कार्यशाला में बाल कल्याण संघ के संस्थापक संजय कुमार मिश्रा, द एशिया फाउडेशन की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव नंदिता बरुआ और साइबर पीस फाउंडेशन के प्रतिनिधि कैप्टन एस सी जोशी एवं नमन जोशी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

झारखंड की पंचायतों के लिए केंद्र दे 14,231 करोड़ : मंत्री

रांची, (एजेंसी) : ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दिल्ली में आयोजित होनेवाले 16 वें वित्त आयोग की राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल हुईं। इसके साथ ही झारखंड राज्य के पंचायतों के लिए समय पर केंद्र सरकार से समय पर अनुदान जारी करने और परफॉर्मेंस ग्रांट के वितरण में उदारता बरतने की मांग की।

उन्होंने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अनुदान राशि में देरी से पंचायतों की विकास योजनाएं प्रभावित होती हैं।

मंत्री ने बताया कि 16 वें वित्त आयोग के तहत वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच झारखंड की पंचायतों को 14,231 करोड़ रुपए मिलने का प्रस्ताव है। इसमें 11,385 करोड़ रुपए बेसिक ग्रांट और 2,846 करोड़ रूपए परफॉर्मेंस ग्रांट शामिल हैं। उन्होंने 15 वें वित्त आयोग की बकाया राशि जल्द जारी करने की भी मांग की।

कार्यशाला में केंद्रीय पंचायती राज

मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल की मौजूदगी में दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि यह राशि ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों को मजबूत बनाने के साथ स्थानीय विकास और सेवा वितरण को गति देगी।

उन्होंने पूर्व वित्त आयोग की अप्रयुक्त राशि के उपयोग को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की जरूरत बताई। साथ ही पंचायत कर्मियों के लिए मिलने वाली सहायता राशि जारी रखने और झारखंड जैसे राज्यों की सीमित राजस्व क्षमता को देखते हुए परफॉर्मेंस ग्रांट के मानकों में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। कार्यशाला में झारखंड राज्य पंचायती राज विभाग के निदेशक बी राजेश्वरी सहित अन्य अधिकारी-पदाधिकारी मौजूद थे।

रिम्स में अत्याधुनिक क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का मंत्री ने किया उद्घाटन

रांची, (एजेंसी) : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि कोई भी डॉक्टर कभी नहीं चाहता कि किसी मरीज की मौत हो। हर चिकित्सक पूरी निष्ठा और क्षमता के साथ मरीज की जान बचाने का प्रयास करता है। ऐसे में समाज और मीडिया, डॉक्टरों का मनोबल बढ़ाने और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए।

मंत्री इरफान अंसारी बतौर मुख्य अतिथि शुक्रवार को रिम्स, रांची स्थित अत्याधुनिक क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह संस्थान झारखंड के लोगों को आधुनिक नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

अब मोतियाबिंद, रेटिना, कॉर्निया, ग्लूकोमा सहित आंखों से जुड़ी जटिल बीमारियों का उपचार राज्य में ही उपलब्ध होगा, जिससे मरीजों को दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में रिम्स-2 परियोजना का रास्ता साफ हो गया है और अगले तीन वर्षों में इसके पूरा होने का लक्ष्य है।

कार्यक्रम में विधायक सुरेश कुमार बैठा, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ) सुनील कुमार, रिम्स के वरिष्ठ चिकित्सक, विशेषज्ञ डॉक्टर और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पदाधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जंगल के पास डकैती की योजना बनाते पकड़े गये दो अपराधी,एक देशी कट्टा, दो गोली, दो मोबाइल व तीन बाइक बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : देवघर पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुंडा थाना क्षेत्र के चांदडीह-सरकंडा जंगल के समीप से दो आरोपितों को अवैध देशी कट्टा व दो गोली के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उनके पास से दो मोबाइल बरामद किये हैं,जबकि घटनास्थल से तीन बाइक भी जब्त की गयी है।मामले में दो गिरफ्तार तथा चार फरार बदमाशों के विरुद्ध कुंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये लगातार छापेमारी की जा रही है।इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में देवघर एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने बताया कि दो जुलाई की रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुंडा थाना क्षेत्र के चांदडीह-सरकंडा जंगल के समीप कुछ अपराधी हथियार के साथ किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही एसपी प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया और तत्काल छापेमारी की गयी।छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुंडा थाना क्षेत्र के चांदडीह बसमत्ता गांव निवासी अविनाश साह (22 वर्ष), पिता भागीरथ साह तथा दुमका जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के कुरुमटांड़ गांव निवासी अमर पासवान (26 वर्ष), पिता कुलदेव पासवान को गिरफ्तार कर लिया।हालांकि उनके साथ मौजूद चार अन्य अपराधी जंगल और अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे।पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे लोग चांदडीह बसमत्ता क्षेत्र में डकैती की योजना बनाने के उद्देश्य से एकत्रित हुए थे। प्रारंभिक जांच में यह भी जानकारी मिली है कि दोनों आरोपित पूर्व में डकैती, लूटपाट और छिनतई जैसी घटनाओं में भी संलिप्त रहे हैं।

पुलिस इनके आपराधिक इतिहास का विस्तृत ब्योरा जुटा रही है।एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के पास से दो

मोबाइल बरामद किये गये हैं। वहीं घटनास्थल से एक सफेद रंग की अपाची बाइक तथा काले और लाल रंग की दो पल्सर बाइक जब्त की गयी हैं। पूछताछ में आरोपितों ने पुलिस को बताया कि फरार सभी अपराधी बिहार के बांका जिले के बौंसी क्षेत्र के रहने वाले हैं।गिरोह को हथियारों की आपूर्ति भी बिहार से ही की जाती है।पुलिस के अनुसार गिरोह का मुख्य काम खाली घरों और सुनसान इलाकों में स्थित आभूषण दुकानों की रैकी कर लूट एवं डकैती की घटनाओं को अंजाम देना है।पूछताछ में यह भी सामने आया कि कुछ दिन पूर्व मोहनपुर थाना क्षेत्र के घोरमारा के आगे चंदना ठाढ़ी मोड़ स्थित लता ज्वेलर्स में हुई लूट की घटना में भी इसी गिरोह के सदस्यों की संलिप्तता रही थी।एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार अविनाश साह गिरोह के लिये लोकल लिंक के रूप में काम करता था।वह रैकी कर संभावित स्थानों की जानकारी देता था और उसी आधार पर गिरोह वारदात की योजना बनाता था। यह भी बताया गया कि गिरोह के कुछ सदस्य जानबूझकर मोबाइल नहीं रखते हैं ताकि पुलिस उनकी लोकेशन का पता नहीं लगा सके। छापेमारी दल में कुंडा थाना प्रभारी प्रशांत कुमार, देवीपुर थाना प्रभारी प्रशांत कुमार, एसआइ शामु बांडो, एएसआइ विश्वंभर विश्वकर्मा, शिवजतन मुर्मू, हवलदार बजैंद्र वैद्य, पुलिसकर्मी प्रवीण कुमार, राजीव मुर्मू, तकनीकी शाखा के रियाजुल हक तथा अन्य पुलिस बल शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

देवघर में श्रद्धालुओं की बस से तीन बैग चोरी, नकदी सहित मोबाइल व दस्तावेज लेकर चंपत हुए चोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : नगर थाना क्षेत्र के शिवराम झा चौक पर खड़ी श्रद्धालुओं की एक बस से अज्ञात चोरों ने तीन बैग चोरी कर लिये। चोरी गये बैगों में नकदी, मोबाइल फोन, आधार कार्ड, कपड़े और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे थे।घटना के शिकार बस मालिक, चालक, कंडक्टर और सह चालक हुए हैं।पीड़ितों ने नगर थाना में शिकायत देकर चोरी गये सामान की बरामदगी की मांग की है।जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ से श्रद्धालुओं को लेकर देवघर पहुंचे रायपुर निवासी बस मालिक जगदीश डोंगरे की बस शुक्रवार देर रात शिवराम झा चौक पर खड़ी थी।श्रद्धालु आराम करने के लिए एक आश्रम चले गये, जबकि बस मालिक, चालक, कंडक्टर और सह चालक बस में ही सो गये।सुबह जब सभी की नींद खुली और वे स्नान के लिए तैयार होने लगे, तब बस में रखे उनके बैग और पर्स गायब मिले। पीड़ित बस मालिक जगदीश डोंगरे ने बताया कि उनके बैग में 20 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और कपड़े रखे थे।वहीं कंडक्टर भीष्म कुमार नागाचे के बैग में कपड़ों के अलावा आधार कार्ड तथा अन्य जरूरी कागजात थे।चालक शेष नारायण साह के बैग में 1,500 रुपये नकद रखे थे, जो चोरी हो गये। घटना का पता चलने के बाद सभी पीड़ित नगर थाना पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज करायी।पीड़ितों का आरोप है कि थाना में उनसे केवल मोबाइल खोने संबंधी फॉर्म भरवाया गया और बाद में वापस भेज दिया गया।घटना के बाद बस मालिक व अन्य पीड़ितों ने चोरी गये सामान की बरामदगी की मांग की है।

रामेश्वर उरांव और उनके बेटे रोहित उरांव को फिर ईडी का समन, 6 जुलाई को राँची जोनल कार्यालय में होना होगा पेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव और उनके बेटे रोहित उरांव को एक बार फिर समन जारी किया है। ईडी ने दोनों को 6 जुलाई को राँची स्थित अपने जोनल कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है।जानकारी के अनुसार, शराब घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इससे पहले भी दोनों को समन भेजा गया था। निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होने के बाद ईडी ने दोबारा समन जारी किया है। जांच एजेंसी इस मामले में वित्तीय लेन-देन, दस्तावेजों तथा अन्य संबंधित पहलुओं की गहन जांच कर रही है।ईडी की जांच झारखंड के कथित शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के आरोपों पर केंद्रित है। मामले में अब तक कई अधिकारियों एवं अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ की जा चुकी है। एजेंसी का मानना है कि आगामी पूछताछ से मामले की जांच को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

राजभाषा क्रियान्वयन में मेकॉन को तीसरा पुरस्कार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सीएमपीडीआइ मुख्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), रांची की बैठक व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मेकॉन को नराकास की वार्षिक पुरस्कार योजना 2025-26 के तहत राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मेकॉन की ओर से महाप्रबंधक विश्वजीत कुमार ने यह सम्मान प्राप्त किया।समारोह में मेकन की ओर से आयोजित स्मरण शक्ति प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

अवैध शराब के खिलाफ उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई,शराब बेच रहे दो गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : जिले में अवैध चुलाई शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ उत्पाद विभाग का अभियान लगातार जारी है।उपायुक्त एवं अधीक्षक उत्पाद के निर्देश पर शुक्रवार को नोवामुंडी और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया।जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक निर्भय कुमार सिन्हा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान नोवामुंडी थाना क्षेत्र के गुड़ीजोरा में अवैध चुलाई शराब बेचते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। मौके से 25 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की गई।वहीं, मुफ्फसिल थाना पुलिस के सहयोग से ग्राम लतरशिखा में संचालित अवैध शराब निर्माण केंद्र पर छापेमारी कर चार अवैध शराब भट्ठियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।यहां से करीब 60 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा शराब निर्माण के लिए रखा गया लगभग 2000 किलोग्राम किण्वित जावा-महुआ बरामद किया गया।उठाव के दौरान जावा-महुआ को नष्ट कर दिया गया।बताया कि अभियान में कुल 85 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की गई है।मामले में कुल छह अभियुक्तों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं कारोबार के खिलाफ आगे भी नियमित छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

किसानों को बदलती परिस्थिति से अवगत करायें वैज्ञानिक : कुलपति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में ह्यजलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर जलवायु के प्रभावों का प्रबंधनह्न विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।इसमें राज्य के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया. प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एससी दुबे ने कहा कि झारखंड की 80 प्रतिशत खेती वर्षा आधारित है।वर्तमान परिस्थिति में वर्षा की प्रवृत्ति, तापमान, हवा की गति, दिशा, हवा का दबाव, सूर्य प्रकाश की तीव्रता बदल रही है। ऐसी परिस्थिति में कृषि वैज्ञानिकों को इसके तत्काल प्रभाव के प्रबंधन से संबंधित तकनीकों का प्रसार करना चाहिए।केवीके के वैज्ञानिकों को कृषि कार्य में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए उचित प्रभेद, फसल विविधिकरण, बोआई-रोपाई के समय में परिवर्तन इत्यादि की परखी हुई तकनीकों का प्रसार करना चाहिए।

कौशल विकास पर ध्यान दें युवा, हुनर से ही दूर होगी बेरोजगारी: उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग अंतर्गत जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर गढ़वा द्वारा शुक्रवार को नगर भवन के मैदान में दतोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उप विकास आयुक्त प्रेमलता मुर्मू, अपर समाहर्ता विकास कुमार राय, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार मयंक भूषण, जिला कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश एवं जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज कुमार गिरि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखंड रांची के निदेर्शानुसार आयोजित इस मेले में कुल 26 निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा सेल्स ऑफिसर, एकाउंटेंट, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, आईटी एग्जीक्यूटिव, नर्सिंग ट्यूटर, क्लर्क, प्रोफेसर, लेक्चरर, मोबिलाइजर, इलेक्ट्रिशियन, सिक्योरिटी गार्ड, ट्रेनर, सिलाई मशीन ऑपरेटर, हेल्पर, माली, ड्राइवर, रसोइया, एसओ, एसएफओ और डिलीवरी एग्जीक्यूटिव आदि पदों के लिए कुल 2276 रिक्तियां उपलब्ध कराई गई थीं। इसमें गढ़वा समेत झारखंड के बाहर और देश के विभिन्न हिस्सों के लिए रिक्तियां शामिल थीं। मेले में 803 से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियों ने भाग लिया, जिसमें से 194 लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया।वहीं, कुल 139 लोगों का अंतिम रूप से चयन कर मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किया गया।मेले में उपायुक्त श्री मिश्रा ने अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पढ़ाई के साथ-साथ अपने कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियां सीमित हैं और सबको सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती।ऐसे में यदि नौकरी नहीं भी मिलती है, तो अपने हुनर से लोग आजीविका चला सकेंगे और बेरोजगारी से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 से झारखंड सरकार द्वारा लगातार रोजगार मेला लगाया जा रहा है, ताकि कोई योग्य व्यक्ति बेरोजगार न रहे।जिला प्रशासन द्वारा आयोजित होने के कारण इसमें नियोक्ताओं द्वारा अभ्यर्थियों का शोषण नहीं किया जा सकता और सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतनमान सुनिश्चित होता है।उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से समाचार पत्रों में निकलने वाली रोजगार सूचनाओं को देखने और अवसरों का लाभ उठाने की अपील की।इससे पूर्व जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज कुमार गिरि ने स्वागत भाषण में मेले की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र में नियुक्तियों की संभावनाएं कम हो रही हैं, जिसे देखते हुए सरकार रोजगार आपके द्वार के तहत निजी नियोजकों को आमंत्रित कर रही है। उन्होंने जिला नियोजनालय द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क सुविधाओं जैसे भर्ती कैंप, कैरियर काउंसलिंग, कैरियर मार्गदर्शन, पुस्तकालय सुविधा, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, समाचार पत्र और मैगजीन की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी। मौके पर कई संबंधित पदाधिकारी, कर्मी और बड़ी संख्या में बेरोजगार युवक-युवतियां उपस्थित थे।

सीएम के निर्देश के बाद वन अधिकारी पहुंचे जोन्हा,विश्वस्तरीय इको-टूरिज्म साइट में विकसित होगा जोन्हा फॉल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरीय अधिकारी शुक्रवार को जोन्हा फॉल देखने पहुंचे।वहां विकास की रुपरेखा पर बात की।प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हा-ॅफ) संजीव कुमार के नेतृत्व में जोन्हा जलप्रपात (गौतमधारा) का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने जलप्रपात तक पहुंच मार्ग, वन्य जीव तथा पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, व्यू-पॉइंट, पेयजल, शौचालय, विश्राम स्थल, साइनज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सौंदर्यीकरण, स्थानीय वनोत्पाद तथा हस्तशिल्प के प्रदर्शन एवं बिक्री की व्यवस्था तथा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अवलोकन किया।इसको विश्व स्तरीय इको टूरिज्म साइट में विकसित करने का प्लान बनाने को कहा गया। श्री कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जोन्हा जलप्रपात का विकास प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के साथ किया जायेगा। इको-टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जायेंगे।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जोन्हा जलप्रपात के समग्र विकास के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना (डीपीआर) शीघ्र तैयार कर उपलब्ध कराएं।इस टीम में संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ-साथ पीसीसीएफ वन्य प्राणी रवि रंजन, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक विकास डी वेंकटेश्वर लू, निदेशक इको टूरिज्म अथॉरिटी एसआर नटेश, पीआर नायडू, डीएफओ श्रीकांत वर्मा आदि मौजूद रहे।

जमशेदपुर बंद को मिला अपार जनसमर्थन, सस्ती राजनीति से बाज आये सरकार: अमर कुमार बावरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर जमशेदपुर और आदित्यपुर में पार्टी के द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान मिले अपार जनसमर्थन को ऐतिहासिक करार दिया है।यह बंद स्वतः स्फूर्त रहा।जनता ने साबित कर दिया कि यह सिर्फ एक पार्टी का प्रतिरोध नहीं है बल्कि यह आम जनता का प्रतिरोध है। साढ़े छह साल में इस अहंकारी राज्य सरकार का पहली बार जनता ने अहंकार तोड़ने का काम किया है।प्रदेश महामंत्री प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।प्रदेश महामंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को सस्ती राजनीति से बाज आनी चाहिए। सरकारी तंत्र सोशल मीडिया हैंडल के द्वारा इस मामले को जो डायवर्ट करने का प्रयास किया गया, उसे जमशेदपुर की जनता ने आईना दिखाने काम किया है।सत्ता में शामिल दलों द्वारा गलत नेगेटिव फैलाने की कोशिश को भी जनता ने खारिज कर दिया है। पूरे राज्य में कहीं भी जनता पर अत्याचार और शोषण होगा, जनता तकलीफ में होगी, भारतीय जनता पार्टी एक सकारात्मक विपक्ष की भूमिका में वहां खड़ी दिखेगी।

श्री बाउरी ने कहा कि पूरे राज्य में विधि व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। यह स्थिति एक दिन में नहीं बनी है।इसकी शुरूआत 2019 में हेमंत सरकार के गठन के साथ ही प्रारंभ हो गई थी। इस सरकार ने हमेशा विधि व्यवस्था से समझौता करने का काम किया है। प्रदेश महामंत्री ने कहा कि जमशेदपुर की शांति भंग हो चुकी है। खुलेआम नशे का अवैधकारोबार किया जा रहा है।सबसे ज्यादा ड्रग्स और ब्राउन शुगर का इस्तेमाल जमशेदपुर, आदित्यपुर में हो रहा है।इस दौरान प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो, दीनदयाल बरनवाल और रवि नाथ किशोर भी मौजूद थे।

सरसों तेल में मिलावट से एक ही परिवार के 5 लोगों की हुई थी मौत, लैब रिपोर्ट में पुष्टि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले के पड़वा प्रखंड अंतर्गत सिक्का गांव में बीते दिनों एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई दुखद मौत के मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। स्टेट फूड टेस्टिंग लैबोरेट्री, रांची की जांच रिपोर्ट ने पुष्टि कर दी है कि इन सभी लोगों की मौत सरसों तेल में खतरनाक मिलावट के कारण हुई थी।खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा पीड़ित परिवार के घर से लिए गये सरसों तेल के सैंपल की जांच में आगेमोन मैक्सिकाना (कटेला या पीला धतूरा) के तेल की मिलावट पाई गयी है, जो मानव उपभोग के लिए अत्यंत हानिकारक है।जांच प्रतिवेदन के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में पाया जाने वाला कटेला या पीला धतूरा एक खरपतवार है।इसके बीज सरसों के बीजों से काफी समानता रखते हैं।पलामू के इलाके में उगने वाले इस पौधे के बीज अनजाने में या असावधानी के कारण सरसों के

साथ पेराई (क्रशिंग) के लिए चले गये।पीड़ित परिवार जिस सरसों तेल का इस्तेमाल खाने में कर रहा था, उसमें इसी कटेला के बीज का तेल मिला हुआ था, जो इस स्वास्थ्य संकट की मुख्य वजह बना।इस संबंध में चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताया कि आगेमोन मैक्सिकाना (कटेला) का तेल खाद्य पदार्थों में शामिल होने पर गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करता है।विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सरसों तेल में यदि कटेला के तेल की थोड़ी सी भी मिलावट हो जाये, तो यह पूरे तेल को दूषित और असुरक्षित बना देता है।इसके सेवन से ड्रॉप्सी जैसी गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं, जो जीवन के लिए खतरा पैदा करती हैं।चिकित्सकीय विशेषज्ञों के मुताबिक, यह जहरीला तेल शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।इसके सेवन से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों में शरीर में सूजन आना और आंतरिक अंगों की कार्यक्षमता का कम होना शामिल है।सिक्का गांव के पीड़ित परिवार के सदस्यों में भी इसी तरह के गंभीर स्वास्थ्य लक्षण देखे गये थे, जिसके परिणामस्वरूप यह दुखद घटना घटी।फूड टेस्टिंग लैबोरेट्री रांची ने अपनी अंतिम जांच रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को सौंप दी है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि सरसों तेल में पाया गया आगेमोन का तेल मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। इस खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग सतर्क है। प्रशासन अब ग्रामीण क्षेत्रों में तेल मिलों और बाजारों में बिकने वाले सरसों तेल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने की तैयारी कर रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी त्रासदी को रोका जा सके।

26वीं झारखंड राज्य जूनियर एवं सब-जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन लोहरदगा में

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : झारखंड ताइक्वांडो संघ के तत्वावधान में तथा लोहरदगा जिला ताइक्वांडो संघ के आयोजन में 26वीं झारखंड राज्य जूनियर एवं सब-जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन 2 से 4 जुलाई 2026 तक होटल अमृत पैलेस, रेलवे साइडिंग, लोहरदगा में किया जा रहा है।तीन दिवसीय इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से लगभग 700 खिलाड़ी, प्रशिक्षक, टीम मैनेजर एवं रेफरी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन शुक्रवार को प्रातः 11 बजे उपायुक्त लोहरदगा संदीप कुमार मीणा ने दीप प्रज्वलित कर किया।उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय कुमार शर्मा (अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय एवं सह महासचिव, झारखंड ताइक्वांडो संघ), गोपाल कुमार (कार्यकारी अध्यक्ष, झारखंड ताइक्वांडो संघ), मिथिलेश कुमार सिंह (कार्यकारी चेयरमैन, झारखंड ताइक्वांडो संघ), अशोक कुमार (उपाध्यक्ष, झारखंड ताइक्वांडो संघ), राजेश महतो (अध्यक्ष, लोहरदगा जिला ताइक्वांडो संघ), पारस साहू (कार्यकारी अध्यक्ष, आयोजन समिति), अभय महतो

(कोषाध्यक्ष, आयोजन समिति) सहित संघ एवं आयोजन समिति के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।समारोह के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा ह्ववंदे मातरम्ह्व गीत पर आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, एकता और युवा शक्ति का संदेश दिया गया, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने खूब सराहा।अपने संबोधन में उपायुक्त संदीप कुमार मीणा ने लोहरदगा में भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन की प्रशंसा करते हुए आयोजन समिति के सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही उपस्थित अभिभावकों से अपने बच्चों को खेल गतिविधियों के प्रति प्रेरित करने तथा खेलों को उनके समग्र विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बनाने का आह्वान किया।उद्घाटन समारोह के उपरांत उपायुक्त महोदय ने ताइक्वांडो खेल की तकनीकी बारीकियों को समझने के लिए खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत डेमोंस्ट्रेशन का अवलोकन किया तथा चेस्ट गार्ड पर प्रहार कर खेल की तकनीक एवं स्कोरिंग प्रणाली की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता में कार्यरत सभी निर्णायकों एवं रेफरियों से परिचय प्राप्त कर उनके कार्यों की सराहना की।झारखंड ताइक्वांडो संघ एवं लोहरदगा जिला ताइक्वांडो संघ ने राज्य के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल प्रेमियों एवं नागरिकों से प्रतियोगिता स्थल पर उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन.

संक्षिप्त खबरें

डीपी से वार्ता के बाद बैजना व राजपुरा कोलियरी में दिया जा रहा धरना समाप्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बीसीकेयू द्वारा इसीएल मुगमा क्षेत्र के बैजना व राजपुरा कोलियरी में 12 सूत्री मांगों को लेकर दिया जा रहा धरना डीपी गुंजन सिन्हा के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष आगम राम ने कहा कि बैजना व राजपुरा कोलियरी में कोयला, लोहा, डीजल चोरी बंद करने, बंद खदानों को चालू करने, सांगामहल प्रोजेक्ट को चालू करने, मजदूरों को पदनाम देने सहित अन्य मांग शामिल था।इसे लेकर इसीएल मुख्यालय सकतोड़िया में डीपी गुंजन सिन्हा से वार्ता हुई।जिसमें श्री सिन्हा ने सभी मांगो को एक माह के अंदर पुरा करने का आश्वासन दिया इशके बाद शुक्रवार को दोनों कोलियरियों में दिया जा रहा धरना समाप्त होगा।वार्ता में विधायक अरुप चटर्जी, आगम राम, रंजन सिंह, रामजी यादव, अमित मुखर्जी सहित अन्य शामिल थे।

कार व टेम्पों में आमना-सामने टक्कर में बच्चा समेत आठ घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : कालूबथान ओपी क्षेत्र के बलियापुर-पतलाबाडी. सड़क के लेदाहेरिया गांजा मोड़ पर शुक्रवार की शाम टेम्पो व कार में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।जिसमें नतुनडीह निवासी हाराधन गोप (52), शिवानी मल्लिक (28), प्रिया मल्लिक (25), मोनिका मल्लिक (28), सुरभी मल्लिक (7), नयन तारा मल्लिक (5), आशा मल्लिक (7), जय मल्लिक (3) गंभीर रुप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची कालूबथन पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए परिजनों ने अस्पताल ले गये। बताया जाता है कि सभी केलियासोल पंचायत सचिवालय से वापस अपने घर पंचेत स्थित नुतुन गांव जा रहे थे।सभी लोग केलियासोल पंचायत भवन में आधार कार्ड बनवाने आये थे। वापस जाने के दौरान लेदाहड़िया गांजा मोड़ के समीप तेज गति से आ रही कार टक्कर मार दिया।पुलिस ने दोनों वाहनों को जप्त करलिया है।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर कॉलेज में जागरुकता कार्यक्रम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बीएसके कॉलेज मैथन में अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर महाविद्यालय की पर्यावरण एवं ग्रीन कैंपस समिति के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को सुदृढ़ करना था।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीन सिंह ने प्लास्टिक के बढ़ते दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल महाविद्यालय परिसर तक सीमित न रहकर आसपास के क्षेत्रों तक भी विस्तारित होना चाहिए, ताकि व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता विकसित हो सके। प्रो. इंचार्ज डॉ. लीना सिंह ने कहा कि प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग आज पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने सभी से एकल-प्रयोग प्लास्टिक बैग के उपयोग को न्यूनतम करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण हेतु शपथ भी ली गई।कार्यक्रम में डॉ. भोला प्रसाद, सुप्रिया सोनाली डांग, डॉ. इशिता भट्टाचार्य, डॉ. एसके सिंह, डॉ. कमलेश पांडे, डॉ. संध्या गुप्ता, प्रो. नीतिशा खलखो, प्रो. महावीर दास व अन्य थे।

हरिणा कॉलोनी बनी नरक, गंदगी-जलजमाव से लोग बेहाल, सिविल विभाग पर लापरवाही का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : कोयलांचल के बीसीसीएल की नेहरू नगर हरिणा बगान आवासीय कॉलोनी में सिविल विभाग की कथित लापरवाही से गंदगी, जलजमाव और बदहाल सफाई व्यवस्था ने कॉलोनीवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। गुरुवार की बारिश के बाद कई आवासों और आंगनों में गंदा पानी घुस गया, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शंकर महतो, भानु प्रताप सिंह, सोमा मुखर्जी और पुरन चौहान सहित कई कर्मियों के घर जलजमाव से प्रभावित हुए।कॉलोनी वासियों का आरोप है कि पिछले करीब 15 दिनों से नियमित सफाई नहीं हो रही है। नालियां कूड़े से जाम हैं और टूटे कूड़ेदानों से उठ रही दुर्गंध के कारण पूरे परिसर का वातावरण दूषित हो गया है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सिविल विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई। हरिणा कॉलोनी, कोयला नगर के बाद बीसीसीएल की प्रमुख आवासीय कॉलोनियों में शामिल है, जहां बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी परिवार के साथ रहते हैं। ऐसे में मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। बारिश के कारण जलजमाव से संक्रामक बीमारियों की आशंका भी बढ़ गई है। महिला मंडल कार्यालय के पीछे नाले में दीवार गिर जाने से जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। कॉलोनी वासियों ने सफाई व्यवस्था तत्काल बहाल करने, जल निकासी दुरुस्त करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग बीसीसीएल प्रबंधन से की है। उनका कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो बरसात में हालात और गंभीर हो सकते हैं।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों का मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : निरसा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय मैथन में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन एसडीपीओ ललेश्वर महतो की अध्यक्षता में हुई।गोष्ठी में निरसा अनुमंडल क्षेत्र के सभी ओपी एवं थाना प्रभारी मौजूद थे।बैठक में कितने वारंटी को जेल भेजा गया व कितने वारंट पर तामिला किया गया, जुलाई माह में निष्पादन होने वाले कांड का रिपोर्ट, सीसीटीएनएस लंबित मामले की जांच सहित अवैध उत्खनन, कोयला, बालू, मवेशी, शराब, जुआ, लाटरी कारोबारियों के विरुद्ध थाना एवं ओपी स्तर पर कार्रवाई करने।वारंट, कुर्की जप्ती स्थायी वारंट सहित क्षेत्र मे होने वाली सभी कांडों की समीक्षा की गई। मोटरसाइकिल चोरी, अपराध पर अंकुश सहित अन्य मामलों की समीक्षा किया गया।

सरकारी जमीन पर होटल निर्माण की शिकायत डीसी ने आयोजित किया जनता दरबार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। सरकारी जमीन पर चार मंजिला होटल तथा सार्वजनिक नाले पर अवैध निर्माण की शिकायत डीसी के जनता दरबार में आम जनता ने की। शिकायतकर्ता ने तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। डीसी अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया था। इसमें जिले भर के फरियादी आए थे। जनता दरबार में कतरास, चिरकुंडा, निरसा, बाघमारा, तोपचांची, धनबाद, झरिया, कलियासोल सहित जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए आम जनों की शिकायत डीसी ने सुनीं। हाउसिंग कॉलोनी से आए व्यक्ति ने डीसी को बताया कि वहीं के एक यूट्यूबर, जो अपने को मीडिया कर्मी भी बताता है, धौंस जमा कर कॉलोनी के सार्वजनिक नाले का अतिक्रमण कर उसपर अवैध निर्माण कर रहा है। शिकायतकर्ता ने साक्ष्य के रूप में कई फोटोग्राफ भी प्रस्तुत किए। मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर डीसी ने हाउसिंग बोर्ड को तत्काल इसकी जांच करके कारवाई करने का निर्देश दिया। वहीं हीरापुर से आई एक महिला ने डीसी को बताया कि भू-माफिया द्वारा षड्यंत्र कर उन्हें उनके एकमात्र निवास स्थान से बेदखल कर जमीन हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। महिला ने बताया कि भू-माफिया द्वारा नगर निगम को गलत जानकारी देकर और दिग्भ्रमित कर उसके मकान को जबरन तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि उक्त भू- माफिया ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से एक चार मंजिला होटल का निर्माण कर लिया है। मामले पर संज्ञान लेकर उपायुक्त ने अनुमंडल दंडाधिकारी को इसकी जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान करने, अबुआ आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने, जन्म प्रमाण पत्र निर्गत कराने, ऑनलाइन लगान रसीद निर्गत कराने, जबरन जमीन पर कब्जा करने, बीसीसीएल द्वारा गरीब विधवा महिला की जमीन पर कब्जा करने, जमाबंदी प्रमाण पत्र निर्गत कराने, रेलवे द्वारा अधिग्रहित की गई जमीन का मुआवजा नहीं मिलने, सार्वजनिक रास्ते को अवरुद्ध करने की शिकायत प्राप्त हुई। वहीं गोविंदपुर से आए व्यक्ति ने विद्यालय के नजदीक स्थित शराब दुकान बंद कराने का आवेदन दिया। उपायुक्त ने आमजनों से प्राप्त सभी आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया।

डीएसई शालिनी डुंगडुंग ने संभाला पदभार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद की नई जिला शिक्षा अधीक्षक एवं अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शालिनी डुंगडुंग ने शुक्रवार को प्रभार ग्रहण कर लिया। निवर्तमान डीएसई आयुष कुमार ने शालिनी डुंगडुंग को विधिवत प्रभार सौंपा।शालिनी यहां से पहले मनोहरपुर पश्चिमी सिंहभूम में क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी के पद पर पदास्थापित थीं। प्रभार ग्रहण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा एवं एसडीईओ स्वाति कुमारी विशेष रूप से उपस्थित थीं। प्रभार लेने के बाद डीएसई कार्यालय, समग्र शिक्षा अभियान एवं डीईओ के कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया। पहले दिन अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों संग बैठक कर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। डीएसई शालिनी डुंगडुंग ने कहा स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था और स्वस्थ्य वातावरण बनाना प्राथमिकता है। स्कूलों में साफ-सफाई, नियमित मध्याह्न भोजन संचालन, बच्चों के बीच सरकारी योजनाओं का लाभ, निजी स्कूलों में आरटीई के तहत नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अभिभावकों के साथ बेहतर तालमेल से कार्य होगा। झारोटेफ के प्रांतीय महासचिव उज्जवल तिवारी, झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष नेहरू हेम्ब्रम एवं रामचरित्र पासी, झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नीलकंठ मंडल एवं प्रधान सचिव आदित्य प्रसाद मिर्धा, अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक के पूर्व अध्यक्ष मो.शरीफ रजा ने नवनियुक्त डीएसई को बधाई दी। अभिनंदन करने वालों में एडीपीओ आशीष कुमार, एपीओ अशोक कुमार पांडे, डा.मीतू सिन्हा, शंभू दत्त, राहुल सिंह, रखाल मंडल, श्यामल हलधर, मदन प्रसाद आदि मौजूद थे

एसआईआर गणना फॉर्म वितरण में आई तेजी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश के बाद जिले में गणना फॉर्म (एन्यूमरेशन फॉर्म) के वितरण में तेजी आई है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए 04लाख 04 हजार 475 वोटरों को गणना फॉर्म बाँटे गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि धनबाद जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को ईएफ वितरण का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक 4 लाख 04 हजार 475 मतदाताओं को ईएफ वितरित किया जा चुका है।है ईएफ वितरण की विधानसभा वार जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि ईएफ वितरण में टुंडी सबसे आगे है। जहाँ 1,03,150 ईएफ बांटे जा चुके हैं। वहीं दूसरे स्थान पर सिंदरी है। सिंदरी में 74,439 ईएफ का वितरण किया गया है। जबकि निरसा में 74,396 ईएफ का वितरण पूरा हो चुका है। वहीं धनबाद विधानसभा में 58,067, झरिया में 51,662 तथा बाघमारा में 42,761 ईएफ का वितरण किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि ईएफ वितरण के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अपने-अपने विधानसभा में मतदान केंद्रों का भ्रमण कर रहे हैं, ताकि इस प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके

चयनित होमगार्ड अभ्यर्थियों की जल्द होगी मेडिकल डॉक्यूमेंट जांच

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन ने शुक्रवार को कहा कि होमगार्ड बहाली में चयनित अभ्यार्थियों की जल्द ही मेडिकल व डाक्यूमेंट जांच होगी। बिचौलिए या अन्य किसी भी व्यक्ति के झांसे में नहीं आने की सलाह भी दी। होमगार्ड का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को डीसी से मिलने गया है। डीसी ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही उनके मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। डीसी ने बताया कि प्रक्रिया शुरू करने के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखा है। जैसे ही वहां से आदेश प्राप्त होगा और तिथि निश्चित होगी, सभी को सूचित कर, मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया आरंभ होगी। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को जिला प्रशासन द्वारा स्टेट को लिखे गए पत्र की प्रतिलिपि दी। प्रतिनिधि के सभी सदस्यों ने उसे पढ़ा और पूरी तरह से आश्वस्त हुए। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन ने बिल्कुल पारदर्शी प्रक्रिया अपनाकर होमगार्ड बहाली की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराई है। आगे की प्रक्रिया भी उसी तरह से संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को किसी भी बिचौलिए के झांसे में नहीं आने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी बिचौलिया किसी भी अभ्यर्थी को राशि लेकर उनका काम कराने का प्रलोभन देता है तो वे सीधे डीसी से संपर्क कर सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल में दीपा कुमारी, खुशबू कुमारी, विवेक दुबे व विवेक कुमार मौजूद थे। उपायुक्त की बातों से आश्वस्त होकर प्रतिनिधिमंडल ने सारी बातें उनके साथ आए अभ्यर्थियों को बताई। सभी ने उपायुक्त की बातों का समर्थन किया और पूरा विश्वास व्यक्त करते हुए समाहरणालय से रवाना हुए।

सबली मस्जिद कमेटी के सदस्य पर जान लेवा हमला, एक घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद रेलवे स्टेशन के समीप स्थित सबली मस्जिद की नई - पुरानी कमेटी विवाद ने शुक्रवार को खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। मस्जिद की जमीन पर मालिकाना हक का दावा करने वाले वाजिद खान पर जान लेवा हमला कर दिया गया। हमलावरों की पिटाई से वाजिद खान के सिर में गहरी चोट भी लगी है । घटना जुमे की नवाज के बाद हुई। इस घटना में नई और पुरानी कमेंटी विवाद को गहरा दिया है । घायल वाजिद खान ने आरोप लगाया है कि मस्जिद में नमाज के दौरान मौलाना ने लोगों को उकसा कर उन पर हमला करवाया है। उन्होंने कहा कि निसार खान के पुत्र सहजान खान ने जान लेवा हमला कर घायल किया है। मालूम हो कि एक जुलाई को ही वक्फ बोर्ड और कल्याण विभाग के द्वारा मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मस्जिद को देख भाल के लिए ग्यारह सदस्यीय नई कमेटी को हस्तांतरित किया गया था। उस दिन भी स्थानीय लोगों के द्वारा नई कमेटी का विरोध करते हुए जम कर हंगामा किया गया था । कोर्ट के आदेश पर नई कमेंटी को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब्दुल वाजिद खान खुद को उक्त मस्जिद के जमीन का मालिक बताते हुए कहा की चालीस वर्षों से जमीन की मालगुजारी भर रहे हैं। कोर्ट के फैसले के बाद वक्फ बोर्ड और कल्याण विभाग के द्वारा नई कमेटी को कमान सौंपी है। कुछ लोगों को यह रास नहीं आ रही है। मुझ पर हमला करवाया गया साथ ही मस्जिद में मेरे कमरे में रखे गये डेढ़ लाख नगद समेत चार लाख के सामान की चोरी भी करवा दी गयी है ।घटना की सूचना पर धनबाद थाना की पुलिस ने पहुंच कर घायल वाजिद खान को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और घटना की जांच कर रही है ।

फुलवार में टोटो और मोटरसाइकिल की टक्कर के बाद मारपीट व सड़क जाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। कतरास फुलवार में शुक्रवार शाम टोटो चालक एवं मोटरसाइकिल सवार युवक टकरा गए। टक्कर के बाद दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। टोटो में छडीदारडीह के आधा दर्जन युवक सवार थे जो मोटरसाइकिल सवार शिसकारी फुलवार निवासी पिंटू गोप तथा निर्भय पांडे पर टूट पड़े और बीच सड़क पर ही जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में बीसीसीएल कर्मी पिंटू गोप बुरी तरह घायल हो गए।घायल पिंटू का इलाज केंद्रीय अस्पताल धनबाद में चल रहा है। बीच सड़क पर मारपीट होते देख ग्रामीण दौड़े और दोनों को बीच बचाव किया. टोटो में सवार छडीदार डीह के के आधा दर्जन युवक मारपीट के बाद भागने में सफल हो गए, जबकि एक युवक को ग्रामीणों ने पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। युवक की पिटाई के विरोध में फुलवार के ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। सड़क जाम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। सड़क जाम करें ग्रामीण पुलिस से हिरासत में लिए युवक को आम लोगों के हवाले करने की मांग करने लगे। मामला बिगड़ते देख कतरास थानेदार ने तुरंत बाघमारा अनुमंडल के सभी पुलिस पदाधिकारी को सूचना देकर सभी थाना से बल को वहां बुलाया गया। कतरास थानेदार ग्रामीणों को समझा बूझकर शांत कराया। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. पुलिस के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ. घटना की सूचना पाकर बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो घटनास्थल पहुंचे एवं ग्रामीणों से बात की एवं मारपीट करने वाले दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। लगभग 2 घंटे से अधिक समय तक हंगामा होता रहा। पुलिस स्थानीय ग्रामीणों को समझा बूझकर हिरासत में लिए युवक को थाना लाकर पूछताछ की जा रही है। कतरास थानेदार ने बताया कि हिरासत में लिए युवक की पूछताछ की जा रही है। शिकायत आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।कुछ लोगों ने माहौल खराब करने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों के सहयोग से मामला शांत कराया जा सका. पुलिस नजर बनाए हुए हैं ह्व

डीआरएम ने किया बरकाकाना स्टेशन एवं केंद्रीय विद्यालय का निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने बरकाकाना स्टेशन का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर, पार्किंग क्षेत्र, कोचिंग लाइन तथा कंट्रोल कार्यालय का जायजा लिया। यात्री सुविधाओं, परिचालन व्यवस्था, स्वच्छता, रखरखाव एवं उपलब्ध आधारभूत संसाधनों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने, यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार लाने तथा परिचालन दक्षता एवं कार्यकुशलता को और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा बरवाडीह केंद्रीय विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने तथा परिसर की सुरक्षा एवं स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिका-

डीवीसी मैथन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डीवीसी मैथन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा अप्रैलझ्रजून तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एनएचपी सम्मेलन कक्ष में किया गया।कार्यपालक राजभाषा रवि कुमार सिन्हा ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक का संचालन किया। अध्यक्षता परियोजना प्रधान एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष सुबीर कुमार साहा ने किया।श्री साहा ने कार्यालयीन कार्यों, पत्राचार तथा ई-ऑफिस में हिंदी के अधिकाधिक एवं प्रभावी प्रयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का व्यापक उपयोग न केवल कार्य निष्पादन को सरल और सुगम बनाता है, बल्कि अभिव्यक्ति को भी अधिक स्पष्ट, प्रभावी एवं सहज बनाता है। उन्होंने सभी विभागों से राजभाषा संबंधी प्रावधानों का गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस दौरान पिछली तिमाही के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई तथा मार्च तक की तिमाही प्रगति रिपोर्ट की विस्तृत समीक्षा की गई।जिसमें राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3), राजभाषा नियम-5, मूल पत्राचार में हिंदी का प्रयोग, हिंदी में टिप्पण लेखन, राजभाषा प्रशिक्षण अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।साथ ही कवि सम्मेलन, नुक्कड़ नाटक, राजभाषा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर पूर्ण-दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया। नोडल अधिकारियों ने क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग, उपलब्धियों तथा प्रगति से संबंधित प्रस्तुति किया।मौके पर सोनाली प्रसाद महाप्रबंधक-सीएंडएम, सुधीर दास महाप्रबंधक-पारेषण, रौशन लाकड़ा महाप्रबंधक-सिविल, सुखमय नायक उप महाप्रबंधक-मा.सं./प्रशा., सुजीत कुमार वरिष्ठ प्रबंधक-संचार/आईटी, हरिमुकुन्द प्रजापति वरिष्ठ प्रबंधक-सीएंडएम, पार्थ दास वरिष्ठ प्रबंधक-यांत्रिक, अनुपम मजूमदार वरिष्ठ प्रबंधक-सतर्कता, संजीव कुमार वरिष्ठ प्रबंधक-सिविल, बंदन राय वरिष्ठ प्रबंधक, डॉ. कौशलेंद्र कुमार प्रबंधक-सीएसआर, मुकेश कुमार प्रबंधक-यांत्रिक, रवि प्रकाश सहायक प्रबंधक-सीटीसी, किशोर कुमार पंडित सहायक प्रबंधक-सिविल, संजय कुमार संगम प्रधानाध्यापक, मो. अल्तमस हयात खान सहायक ग्रेड-कसहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक के अंत में सुखमय नायक, उप महाप्रबंधक (मा.सं./प्रशा.) ने सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन कार्यपालक (राजभाषा) रवि कुमार सिन्हा ने किया, जबकि जयंत फणी, सहायक ग्रेड-क ने आयोजन की सफल व्यवस्था एवं समन्वय में महत्वपूर्ण योगदान दिया।यह बैठक कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक दक्षता तथा हिंदी के व्यावहारिक उपयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक पहल सिद्ध हुई।

04-07-2026 T.P. Page 4_Layout 1 04-07-2026 06:24 Page 1

संक्षिप्त खबरें

शराब घोटाला मामले में आरोपी नवीन केडिया की याचिका पर सुनवाई, एसीबी से मांगा जवाब

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट की अनुभा रावत चौधरी की अदालत ने शराब घोटाला मामले में आरोपी नवीन केडिया की ओर से इंग्लैंड जाने की अनुमति मांगने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई की।मामले की सुनवाई के दौरान पक्ष सुनने के बाद अदालत ने एसीबी को आठ जुलाई तक जवाब दायर करने का निर्देश दिया।साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 10 जुलाई की तिथि निर्धारित की। मामले की सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से सीनियर स्टैंडिंग काउंसिल सुमित गाड़ोदिया ने पक्ष रखा। उन्होंने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि निचली अदालत ने प्रार्थी के आग्रह को नहीं माना।विदेश जाने की अनुमति मिलने से वह देश छोड़ कर भाग सकते हैं।उल्लेखनीय है कि प्रार्थी नवीन केड़िया ने रांची एसीबी की विशेष अदालत से इंग्लैंड जाने की अनुमति नहीं मिलने के बाद हाइकोर्ट में याचिका दायर की है।उनकी याचिका को निचली अदालत ने खारिज कर दिया था, जिसे नवीन केडिया ने हाइकोर्ट में चुनौती दी है।झारखंड हाइकोर्ट से नवीन केडिया को जमानत मिली थी। जमानत की शर्त के अनुसार उन्होंने अपना पासपोर्ट एसीबी की अदालत में जमा करा दिया है।

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटा हाइवा, कोयला सड़क पर बिखरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : चाईबासा-सरायकेला मुख्य मार्ग पर खूंटा गांव के समीप शुक्रवार को कोयला लदा एक हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।हादसे में वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि हाईवा पर लदा कोयला सड़क किनारे बिखर गया।दुर्घटना में चालक एवं खलासी को हल्की चोटें आयी हैं। मिली जानकारी के अनुसार हाईवा पांड्राशाली स्थित रूंगटा प्लांट से कोयला लेकर सरायकेला की ओर जा रहा था। इसी दौरान खूंटा स्थित एस मोड़ के पास चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से चालक एवं उपचालक को वाहन से बाहर निकाला गया।दोनों को तत्काल उपचार के लिए चाईबासा भेजा गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति खतरे से बाहर बतायी जा रही है। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर संबंधित विभाग एवं स्थानीय लोगों की मदद से सड़क पर बिखरे कोयले को हटाने और यातायात को सामान्य करने का प्रयास किया गया।

हटिया स्टेशन के पास बनेगा मल्टी डिसिप्लिनरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, अब रांची में ही मिलेगा रेलवे कर्मियों को प्रशिक्षण,चार करोड़ की लागत से बनेगी बिल्डिंग तीन मंजिला बिल्डिंग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : हटिया स्टेशन के पास रेलवे कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक मल्टी डिसिप्लिनरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमडीटीआइ) का निर्माण किया जायेगा। यह संस्थान हटिया स्थित रेलवे के रनिंग रूम परिसर में विकसित होगा।परियोजना पर करीब चार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।इसके लिए रेलवे ने तैयारी शुरू कर दी है।रेलवे के अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित संस्थान का भवन तीन मंजिला होगा। इसमें रेलवे कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए 10 आधुनिक क्लासरूम, प्रशासनिक कार्यालय, हॉस्टल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं होंगी।यहां विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को तकनीकी, परिचालन और कौशल विकास से संबंधित प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के लिए आधुनिक संसाधन और आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराये जायेंगे।वर्तमान में रांची रेल मंडल के कर्मचारियों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए कोलकाता जाना पड़ता है।नया प्रशिक्षण संस्थान बनने के बाद उन्हें स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इससे कर्मचारियों का समय और यात्रा व्यय दोनों बचेगा।साथ ही अधिक संख्या में कर्मियों को नियमित प्रशिक्षण भी मिलेगा। डीआरएम करुणानिधि सिंह ने बताया की एमडीटीआइ का निर्माण होने से रांची रेल मंडल की प्रशिक्षण व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।कर्मचारियों की दक्षता बढ़ेगी, कार्यकुशलता में सुधार आयेगा तथा आधुनिक तकनीकों से उन्हें समय-समय पर अपडेट किया जा सकेगा। यह परियोजना रेलवे के मानव संसाधन विकास को नयी गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।

31 जुलाई से शुरू होगा राजकीय श्रावणी मेला, 28 अगस्त तक रहेगा स्पर्श पूजा पर विराम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में इस वर्ष राजकीय श्रावणी मेला 31 जुलाई से प्रारंभ होकर 28 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन संपन्न होगा।मेला अवधि के दौरान बाबा बैद्यनाथ मंदिर में आम श्रद्धालुओं के लिए स्पर्श पूजा पूरी तरह बंद रहेगी। 31 जुलाई से 28 अगस्त की दोपहर तक आने वाले कांवरिये अर्घा के माध्यम से बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने मेले की तैयारियां तेज कर दी हैं।बांग्ला पंचांग के अनुसार श्रावणी मेला 17 जुलाई की संक्रांति तिथि से शुरू होकर 17 अगस्त तक माना जाएगा, जबकि पूर्णिमा के अनुसार राजकीय श्रावणी मेला 31 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगा।बाबा नगरी के जानकार पंडित पंकज ने बताया कि 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है तथा 30 जुलाई को भी पूर्णिमा का प्रभाव रहने के कारण 31 जुलाई से मेले का विधिवत शुभारंभ होगा। बांग्ला पंचांग के अनुसार पांच, एवं मिथिला पंचांग के अनुसार चार सोमवारीइस बार श्रावण में पूर्णिमा पंचांग के अनुसार चार सोमवारी, जबकि संक्रांति पंचांग के अनुसार पांच सोमवारी का संयोग बन रहा है।बांग्ला पंचांग के अनुसार 20 व 27 जुलाई तथा 3, 10 और 17 अगस्त को सोमवारी पड़ेगी।इनमें नाग पंचमी का विशेष संयोग भी होने से इन तिथियों पर बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।वहीं पूर्णिमा के अनुसार 3, 10, 17 और 24 अगस्त को सोमवारी रहेगी।श्रावण मास में नवविवाहित महिलाओं के लिए 2 अगस्त से 15 अगस्त तक मधुश्रावणी पर्व मनाया जाएगा। 2 अगस्त को पूजा का संकल्प होगा, जबकि 3 अगस्त से कथा और अनुष्ठान शुरू होंगे।

सीए फाउंडेशन परीक्षा परिणाम घोषित, रांची केंद्र से 81 परीक्षार्थी सफल, रांची सेंटर से ईशा पोद्दार टॉप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा मई 2026 में आयोजित सीए फाउंडेशन परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया।देशभर के 609 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में कुल 1,06,411 परीक्षार्थी शामिल हुए, इनमें 20.09 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की।अखिल भारतीय स्तर पर नासिक की साक्षी जैन ने 400 में से 371 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया।चंद्रपुर के अयान अब्बास अजानी ने 367 अंकों के साथ द्वितीय तथा पुणे के राधा उन्मेष मुलाय ने 365 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।रांची परीक्षा केंद्र से कुल 548 परीक्षार्थियों में से 81 अभ्यर्थी सफल हुए। इनमें ईशा पोद्दार ने 268 अंक प्राप्त कर रांची केंद्र में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। अनुष्का केशरी ने 266 अंकों के साथ द्वितीय तथा सूरज अग्रवाल ने 260 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अनीश जैन, उपाध्यक्ष सीए विवेक खोवाल,

सचिव सीए दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष सीए हरेंद्र भारती तथा कार्यकारिणी सदस्य सीए अभिषेक केडिया, सीए भुवनेश ठाकुर एवं सीए निशांत मोदी ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी सीए इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। यह रांची शाखा के लिए भी गर्व का विषय है। सीए फाउंडेशन के सभी सफल परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए इंस्टीट्यूट के प्रेसिडेंट सीए प्रसन्ना कुमार डी ने कहा कि यह सफलता आपके चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की गौरवपूर्ण यात्रा का प्रथम महत्वपूर्ण पड़ाव है।रांची केंद्र से 81 परीक्षार्थी सफल घोषित हुए हैं। सेंटर से सिमडेगा के एसबीआई रोड मारवाड़ी मोहल्ला के रहनेवाले सूरज अग्रवाल ने पिता के बिजनेस में हाथ बंटाते हुए सीए फाउंडेशन की कठिन परीक्षा में टॉप थ्री में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने यह उपलब्धि महज 45 दिनों की मेहनत से हासिल की है।परिक्षा में उन्होंने 260 अंक हासिल किया है।तीन लोगों के परिवार में पापा सिमडेगा में वन उपज उत्पादों (फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स बिजनेस) से जुड़े हैं। मां गृहिणी हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई डीएवी पब्लिक स्कूल सिमडेगा से पूरी की। इस दौरान उन्हें अपने शॉप पर भी पापा का हाथ बंटाना पड़ता था।फैमिली बिजनेस को समय देते हुए पढ़ाई पर ध्यान देना एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने कहा कि उनके सामने लक्ष्य तय करने के बाद तैयारियों के लिए बहुत कम समय था।इस बीच सूरज ने सेल्फ स्टडी अपना फोकस बढ़ाया। वह कहते हैं कम समय में यह करना एक शानदार उपलब्धि की तरह है। मैंने अपनी तैयारियों में व्यावहारिक अनुभव और सैद्धांतिक ज्ञान का बेहतरीन तालमेल बिठाया।मन में एक ख्याल उभरा कि यदि आप भी इसी रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं, या अपनी सीए की पढ़ाई के साथ पारिवारिक व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं तो इसे हर हाल में हासिल करना होगा।एक पॉपुलर कोचिंग एकेडमी की ऑनलाइन कक्षाएं ली।मैंने अपनी तैयारियों के बीच समय प्रबंधन का खास ख्याल रखा साथ ही स्मार्ट स्टडी के सहारे दिन के कुछ घंटे बिजनेस के लिए और बाकी के बचे सुबह-शाम के तीन - तीन घंटे पढ़ाई को दिया।अब नतीजा आपके सामने है।वह अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां, फैमिली के साथ शिक्षकों को दिया।सीए फाउंडेशन परीक्षा परिणाम सामने आने के बाद ईशा पोद्दार के सपनों को मानों पंख लग गए हों।रांची केंद्र से 81 सफल परीक्षार्थियों में से वह टॉप रही हैं।

उन्होंने संत थॉमस स्कूल से दसवीं और डीपीएस रांची से 12वीं करने के बाद से ही सीए की राह चुन ली थी।उन्होंने अपना प्रिपरेशन बोर्ड एग्जाम के बाद से ही शुरू कर दिया था। रजिस्ट्रेशन के साथ ही वह चार-पांच घंटे की कोचिंग क्लास के साथ ही कुल मिलाकर 8-10 घंटे स्टडी को देती थीं। घर में शुरू से ही बिजनेस का माहौल था। रांची के लालपुर में उनका घर है। उनके पापा रियल एस्टेट बिजनेस से जुड़े हैं, भाई इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं जबकि मां गृहिणी हैं।उनका मानना है कि खुद पर भरोसा और लगातार मेहनत ही सफलता की कुंजी है।परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए।

नोवामुंडी में हाथियों का आतंक: फसलें बर्बाद, कई कच्चे मकान क्षतिग्रस्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के नोवामुंडी प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों का झुंड लगातार उत्पात मचा रहा है। गीति केन्दु, सेल दौरि और आसपास के गांवों में हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथियों ने खेतों में लगी फसलों को रौंदकर बर्बाद कर दिया है, वहीं पके हुए कटहल और आम के बगीचों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।देर रात हाथियों के झुंड ने गीति केन्दु गांव में सुरेश हेंब्रम, ओबिन हेंब्रम, दिनेश लागूरी और बिपिन लागूरी के मिट्टी के मकानों को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। गनीमत रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन ग्रामीण पूरी रात भय के साये में जागते रहे। हाथियों के लगातार गांव के आसपास मंडराने से लोग अपने घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।हाथियों की लगातार बदलती लोकेशन को देखते हुए वन विभाग की टीम पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। हाथियों का झुंड बार-बार एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर बढ़ रहा है, जिससे उन्हें नियंत्रित करने में

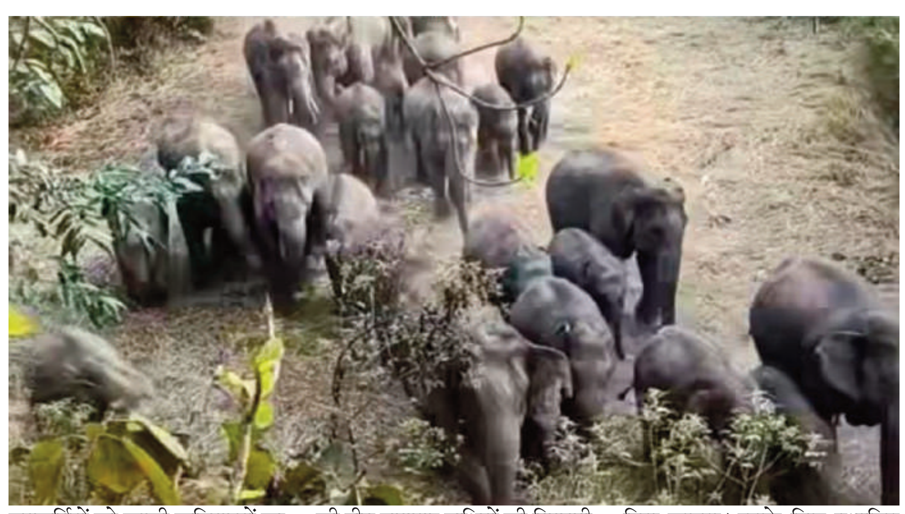

वनकर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को चाईबासा, हाटगम्हरिया और नोवामुंडी से वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम मशाल और पटाखों के साथ हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर खदेड़ने के लिए प्रभावित गांवों की ओर रवाना हुई।इस बीच नोवामुंडी क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश ने वन विभाग के अभियान को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। खराब मौसम के बावजूद वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की निगरानी और ग्रामीणों की सुरक्षा में जुटी हुई है।वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में हाथियों के निकट न जाएं, उन्हें छेड़ने या भगाने का प्रयास स्वयं न करें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचना दें। विभाग ने यह भी आश्वासन दिया है कि जिन किसानों और ग्रामीणों की फसल, बागवानी या मकानों को नुकसान हुआ है, उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए प्रभावित लोग आवेदन पत्र भरकर वन विभाग के कार्यालय में जमा करें।ग्रामीणों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि हाथियों के डर से कई परिवार रातभर सो नहीं पा रहे हैं। हर छोटी-बड़ी आवाज पर लोग सहम जा रहे हैं और बच्चों व बुजुर्गों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों के झुंड को जल्द से जल्द आबादी वाले क्षेत्र से हटाने और स्थायी समाधान निकालने की मांग की।

आदित्यपुर सिटी सेंटर जमीन विवाद : हाइकोर्ट ने रद्द किया जियाडा का लीज रद्द करने का आदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्रस्तावित सिटी सेंटर परियोजना से जुड़े बहुचर्चित भूमि विवाद में जियाडा के 27 अक्टूबर 2021 के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत फोरम इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड की जमीन का आवंटन रद्द कर लीज समाप्त कर दी गयी थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि उस समय क्षेत्रीय निदेशक को ऐसा आदेश देने का वैधानिक अधिकार नहीं था। अदालत ने मामले को वर्तमान सक्षम प्राधिकारी के पास वापस भेजते हुए निर्देश दिया कि कंपनी को नया कारण बताओ नोटिस जारी कर सुनवाई का अवसर दिया जाये और दो माह के भीतर नया फैसला लिया जाये।कंपनी को भी जांच प्रक्रिया में पूरा सहयोग करने और अनावश्यक स्थगन नहीं लेने का निर्देश दिया गया।अदालत ने कहा कि वर्ष 2016 के जियाडा विनियम उस समय तक प्रभावी नहीं हुए थे, क्योंकि उनका राजपत्र (गजट) में प्रकाशन दिसंबर 2022 में हुआ।इसलिए 2021 में क्षेत्रीय निदेशक द्वारा जारी नोटिस और लीज रद्द करने का आदेश अधिकार क्षेत्र के अभाव में अवैध था।अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दोबारा सुनवाई के बाद फैसला कंपनी के पक्ष में आता है, तो 2023 की नीलामी में सफल 38 बोलीदाताओं से ली गयी राशि 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटानी होगी। वहीं यदि फैसला कंपनी के खिलाफ जाता है, तो जियाडा 38 सफल बोलीदाताओं को जमीन आवंटित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकेगा।अदालत ने कहा कि नया निर्णय पुराने रद्द किये गये आदेश से प्रभावित हुए बिना लिया जायेगा। मामले की सुनवाई के दौरान जियाडा ने संबंधित भूमि के लिए पुनः नीलामी कर 38 सफल बोलीदाताओं का चयन कर लिया था।यह मामला वर्ष 2006 में आदित्यपुर में होटल, अस्पताल, मल्टीप्लेक्स और शॉपिंग मॉल सहित सिटी सेंटर विकसित करने की योजना से जुड़ा है। फोरम इंफ्रास्ट्रक्चर को 2007 में आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 21.698 एकड़ भूमि 90 वर्ष की लीज पर सिटी सेंटर परियोजना के लिए आवंटित की गयी थी। कंपनी को तय समय में निर्माण पूरा करना था, लेकिन बाउंड्री वॉल के अलावा कोई निर्माण नहीं हुआ।इसके बाद आयडा (अब जियाडा) ने कई बार नोटिस जारी किया और अंततः 27 अक्तूबर 2021 को आवंटन रद्द कर लीज समाप्त करते हुए जमा राशि जब्त करने तथा जमीन खाली करने का आदेश दिया था।

सांप के डसने से पांच वर्षीय बच्ची की मौत, परिजनों में कोहराम

गढ़वा : भंडरिया थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार की देर रात सांप के डसने से पांच वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई। मृतका की पहचान रमेश माझी की पांच वर्षीय पुत्री साक्षी कुमारी के रूप में की गई है।घटना के बाद से पीड़ित परिवार सहित पूरे गांव में शोक का माहौल है।जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात करीब 11 बजे साक्षी कुमारी अपने घर में पलंग पर सो रही थी। इसी दौरान एक विषैले सांप ने उसे डस लिया। बच्ची के चिल्लाने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई, जिससे घर में अफरा-तफरी मच गई।परिजन आनन-फानन में बच्ची को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरिया पहुंचे।अस्पताल में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, डॉ. एसआइ खान, डॉ. अमित कुमार एवं डॉ. अजय सिंह पटेल ने तत्काल बच्ची का प्राथमिक उपचार शुरू किया।हालांकि, उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया।परिजनों ने समय बचाने के उद्देश्य से निजी वाहन से बच्ची को डाल्टनगंज ले जाने का निर्णय लिया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की उच्च शिक्षा तक पहुंच दूर करने की हो रही साजिश: आइसा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) झारखंड ईकाई, ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 14 दिनों से जारी अनिश्चितकालीन धरना और पिछले 6 दिनों से पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के साथ चल रही भूख हड़ताल के प्रति एकजुटता प्रकट की है।आइसा ने महेंद्र सिंह भवन में क्लस्टर सिस्टम,पेपर लीक, लंबित प्रतियोगी परीक्षाओं, एनटीए को भंग करने जैसे मुद्दे पर एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया। पेपर लीक जैसे मामले पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 जुलाई को रांची में विशाल मार्च एवं राजभवन घेराव का ऐलान किया गया। आइसा राज्य सचिव त्रिलोकीनाथ ने कहा कि झारखंड में फीस वृद्धि, शिक्षा के निजीकरण और एनईपी-2020 को लागू करने की दिशा में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जारी पुनर्गठन संकल्प के तहत लागू किए जा रहे क्लस्टर सिस्टम का हम पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था सेल्फ-फाइनेंस मॉडल, ऋण आधारित शिक्षा और विषय चयन की स्वतंत्रता को सीमित करती है।इससे ग्रामीण, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़े तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की उच्च शिक्षा तक पहुंच और कठिन होगी तथा ड्रॉपआउट बढ़ेगा।इस मौके पर आइसा रांची जिला अध्यक्ष विजय कुमार, राष्ट्रीय ओबीसी छात्र मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश चौधरी, राज्य परिषद सदस्य सोनाली केवट, एसएफआई के सदस्य फैजान, आइसा रांची जिला सचिव संजना मेहता, सत्यप्रकाश और रोहित कुमार ने छात्र और युवा हित में अपने विचार साझा किए।

ग्राम सभा का फैसला: पादरी एवं पास्टर के गांव में प्रवेश निषेध

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : भंडरा प्रखंड के उदरंगी पंचायत के हाटी ग्राम में ग्रामसभा ने एक बड़ा निर्णय लेते हुए गांव में पादरी व पास्टरो के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।ग्रामसभा के प्रस्ताव के बाद गांव के तीन प्रवेश मार्ग पर बड़ा सूचना बोर्ड लगाया गया है, जिसमें स्पष्ट लिखा है कि पादरी व पास्टरओ का प्रवेश सख्त मना है।सुचना बोर्ड विधिवत उद्घाटन ग्राम प्रधान विद्यासागर पहान,आयकर आयुक्त निशा उरांव,राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा केंद्रीय अध्यक्ष बिरसा उरांव, केंद्रीय सचिव सोमा उरांव,केंद्रीय महासचिव जलेश्वर उरांव,केंद्रीय उपाध्यक्ष सोमे उरांव,जिला धर्म गुरु बंधे उरांव,सहित सैकड़ो अतिथियों द्वारा किया गया।ग्रामसभा ने यह फैसला पेसा अधिनियम, 1996 के तहत लिया है। हाटी गांव अनुसूचित क्षेत्र में आता है, जहां पेसा कानून ग्रामसभा को स्थानीय परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का अधिकार देता है। बोर्ड में उल्लेख है कि ग्रामसभा के प्रस्ताव के आधार पर गांव में किसी भी धर्म के पादरी, पादरियों एवं बाहर से आने वाले धर्मांतरण से जुड़े व्यक्तियों के प्रवेश तथा धार्मिक प्रार्थना या आयोजन पर रोक लगाई जाती है।पादरी व पादरियों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध का बोर्ड लगाया,बाहरी धर्म प्रचारकों और धर्मांतरण से जुड़े व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक,धार्मिक प्रार्थना या आयोजन पर रोक का उल्लेख,पेसा अधिनियम, 1996 का हवाला देकर निर्णय लिया गया।हाटी और अम्बेरा में हाल के वर्षों में ग्रामसभाओं द्वारा पारंपरिक जनजातीय पहचान और संस्कृति के संरक्षण को लेकर प्रस्ताव पारित किए गए हैं।हाटी का निर्णय भी इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है, जिससे पूरे जिले में नई सामाजिक बहस शुरू हो गई है।हाटी गांव के ग्राम प्रधान व पहान बिद्यासागर पहान ने कहा ग्रामसभा गांव की सर्वोच्च संस्था

है।हमारे पूर्वजों की परंपरा, जनजातीय संस्कृति, देवी-देवताओं में आस्था और सामाजिक व्यवस्था की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।ग्रामसभा ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया है।यह निर्णय किसी धर्म या समुदाय के विरोध में नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान और ग्रामसभा के अधिकारों के संरक्षण के उद्देश्य से लिया गया है।विश्व हिंदू परिषद के जिला सह मंत्री भीमनाथ शाहदेव ने ग्राम सभा में कहा कि सदियों से चली आ रही सरना-सनातन एकता को तोड़ने की साजिश रची जा रही है, जिसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि सरना और सनातन दोनों प्रकृति पूजक हैं और सिद्धांत एक हैं।भीमनाथ सहदेव ने आरोप लगाया कि कुछ असामाजिक तत्व और विदेशी ताकतें फूट डालो की नीति पर काम कर सरना-सनातन समाज को बांटने का प्रयास कर रही हैं।उन्होंने कहा, इनके नापाक मंसूबों को किसी भी हाल में सफल नहीं होने देंगे।विदेशी और देश विरोधी ताकतों को सरना-सनातन समाज मुंहतोड़ जवाब देगा।

भंडरा प्रखंड के ग्राम हाटी में पादरी-पास्टर के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए लगाए गए सूचना बोर्ड को आयकर आयुक्त निशा उरांव ने खुद ब्रश उठाकर लिखना शुरू किया।बोर्ड पर लिखा है कि पादरी पास्टर का प्रवेश सख्त मना है और पेसा अधिनियम के तहत ग्रामसभा को अपनी परंपरा एवं रूढ़िवादी संस्कृति के संरक्षण का अधिकार है।इसी आधार पर ईसाई धर्म के पास्टर-पादरी, बाहर से आने वाले धर्मांतरित व्यक्तियों और किसी भी धार्मिक प्रार्थना-आयोजन पर रोक लगाई गई है।

इससे पहले निशा उरांव ने कहा था कि धर्मांतरण को लेकर हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक आदिवासियों के पक्ष में फैसला आया है।झारखंड में पहली बार बोर्ड लगाकर धर्म प्रचारकों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है और यह मुहिम पूरे प्रदेश में चलाई जाएगी।अब खुद बोर्ड लिखकर उन्होंने ग्रामसभा के फैसले को सार्वजनिक रूप से समर्थन दे दिया है। कार्यक्रम में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा केंद्रीय अध्यक्ष बिरसा उरांव, केंद्रीय सचिव सोमा उरांव,केंद्रीय महासचिव जलेश्वर उरांव,केंद्रीय उपाध्यक्ष सोमे उरांव,जिला धर्म गुरु बंधे उरांव,सहित दर्जनों वक्तावनी अपने संबोधन में धर्म प्रचारक के विरुद्ध उलगुलान की बात कही।सभी ने सरना समुदाय को एकजुट रहने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

श्रावणी मेला पर आसनसोल- जसीडीह,बिहार शरीफ-राजगीर के रास्ते हावड़ा व नटेसर के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

हाजीपुरः श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा आसनसोल-जसीडीह-झाझा-किउल-शेखपुरा-अस्थावां-बिहार शरीफ-राजगीर के रास्ते हावड़ा और नटेसर के मध्य 03001/03002 श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन किया जायेगा । इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 08 कोच एवं एसएलआर के 02 कोच सहित कुल 18 कोच होंगे । गाड़ी सं. 03001 हावड़ा-नटेसर श्रावणी मेला स्पेशल 05.07.2026 से 29.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को हावड़ा से 23.50 बजे खुलकर अगले दिन 05.10 बजे जसीडीह, 08.10 बजे किउल, 08.45 बजे शेखपुरा, 09.25 बजे अस्थावां, 09.50 बजे बिहार शरीफ, 10.40 बजे नालन्दा एवं 11.05 बजे राजगीर रुकते हुए 12.00 बजे नटेसर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03002 नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल 06.07.2026 से 30.09.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को नटेसर से 13.00 बजे खुलकर 13.20 बजे राजगीर, 13.43 बजे नालन्दा, 14.05 बजे बिहार शरीफ, 14.55 बजे अस्थावां, 16.03 बजे शेखपुरा, 17.10 बजे किउल, 20.25 बजे जसीडीह रुकते हुए अगले दिन 04.30 बजे हावड़ा पहुंचेगी ।

एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, टॉप-10 वांछित कन्हैया सहनी गिरफ्तार

सीवान, (एजेंसी) : पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा के निर्देश पर जिले में अपराध नियंत्रण एवं फरार अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एसटीएफ एवं गोरेयाकोठी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जिले के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल कन्हैया सहनी उर्फ कन्हैया लाल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था।

एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि 2 जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम और गोरेयाकोठी थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र के महुली गांव में छापेमारी की।

कार्रवाई के दौरान आरोपी कन्हैया सहनी उर्फ कन्हैया लाल, पिता बिहारी सहनी, को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गोरेयाकोठी थाना कांड संख्या 73/26 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(2)(बी)(सी) एवं 22 के तहत वांछित था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।एसपी ने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए वांछित एवं फरार अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के आपराधिक इतिहास का भी सत्यापन कराया जा रहा है तथा उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। इस कार्रवाई में एसटीएफ की टीम, गोरेयाकोठी थानाध्यक्ष एवं थाना के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दो गिरफ्तार

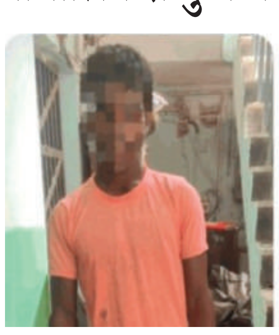

पूर्णिया, (एजेंसी) : जिले में मरंगा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में संलिप्त एक किशोर को भी निरुद्ध किया गया है।

जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही पूर्णिया के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित छापेमारी करते हुए मरंगा थाना क्षेत्र के हेलमबाग निवासी रामलाल सोरेन, उम्र 19 वर्ष, और गोपाल सोरेन, उम्र 23 वर्ष, दोनों पिता चेतन सोरेन, को गिरफ्तार कर लिया।

मामले में एक किशोर के भी शामिल होने की बात सामने आई है, जिसे पुलिस ने निरुद्ध किया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया, जहां से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए गए।

पुलिस गिरफ्तार आरोपियों और निरुद्ध किशोर के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। नाबालिग से जुड़ा मामला होने के कारण पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

ग्रामीण विकास के लिए बनने वाली योजनाओं में गरीब का विशेष ख्याल रखा जाए : श्रवण कुमार

पटना, (एजेंसी) : बिहार सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित करने, किसानों और स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने तथा गांवों की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में नई पहल करने जा रही है। इसी उद्देश्य से शुक्रवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और विभागीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, हाट-बाजारों के विकास और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ग्रामीण विकास विभाग की सभी योजनाओं का केंद्र बिंदु गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों की आजीविका तथा रोजगार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और किसानों को अधिक से अधिक रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हों।

मंत्री श्रवण कुमार ने नाबार्ड के अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित योजनाओं तथा हाट-बाजारों के निर्माण में संभावित सहयोग की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हाट विकसित किए जाएं, ताकि जीविका समूहों, किसानों और ग्रामीण कारीगरों के उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके।मंत्री ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर आधुनिक हाट बनने से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। इससे ग्रामीण उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, किसानों और स्वयं सहायता समूहों की आय में वृद्धि होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

ग्रामीण विकास मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि जीविका दीदियों तथा अन्य जरूरतमंद लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाली योजनाओं का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

अमरनाथ यात्रा के लिए छपरा से पहला जत्था रवाना

सारण, (एजेंसी) : जय बाबा भोले भंडारी सेवा दल छपरा के तत्वावधान में अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था आज सारण की धरती से रवाना हो गया। इस अवसर पर छपरा जंक्शन का माहौल पूरी तरह शिवमय में नजर आया। स्टेशन परिसर बाबा बफार्नी के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा।

सेवा दल के सदस्य नवीन कुमार सिंह मुन्नू ने बताया कि संस्था के सदस्य पिछले दो-तीन महीनों से ही इस यात्रा की तैयारियों और श्रद्धालुओं की सेवा में समर्पित हो जाते हैं। अमरनाथ जाने वाले सभी भक्तों की चिकित्सीय जांच और सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई को समय से पूरा कराया जाता है।इसके उपरांत यात्रा टिकट, रूट चार्ट और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के बाद प्रस्थान की तिथि निर्धारित की जाती है। तय कार्यक्रम के अनुसार आज 500 सदस्यों का पहला जत्था छपरा जंक्शन से यात्रा के लिए रवाना हुआ।प्रस्थान से पूर्व छपरा जंक्शन पर वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर सेवा दल की ओर से एक भंडारे का आयोजन किया गया।जंक्शन पर मौजूद सभी श्रद्धालुओं और आम यात्रियों ने श्रद्धा भाव से बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद वितरण के बाद जैसे ही ट्रेन रवाना होने का समय हुआ, पूरा स्टेशन परिसर हर-हर महादेव और जय बाबा बफार्नी के जयघोष से गुंजायमान हो उठा, जिससे वहां मौजूद हर व्यक्ति भक्ति के रंग में रंग गया।श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर सेवा दल बेहद सतर्क है। नवीन कुमार सिंह ने जानकारी दी कि पूरी यात्रा के दौरान ट्रेन में ही सभी भक्तों के लिए सुबह का नाश्ता, शुद्ध भोजन, चाय-पानी के साथ-साथ आपातकालीन स्थिति के लिए प्राथमिक उपचार की संपूर्ण व्यवस्था की गई है।इन तमाम प्रबंधों को सुचारू रूप से चलाने के लिए छपरा के आम नागरिकों और शिव भक्तों द्वारा जन-सहयोग किया जाता है। संस्था का मुख्य उद्देश्य है कि क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में लोग बिना किसी असुविधा के बाबा बफार्नी के दर्शन कर पुण्य के भागी बनें।

इस यात्रा पर जा रहे इन श्रद्धालुओं को विदा करने और अपनी शुभकामनाएं देने के लिए छपरा शहर के पूर्व विधायक डॉ सी एन गुप्ता, बजरंग दल के पूर्व प्रदेश संयोजक राहुल मेहता, मंटू बाबा, राजेश रीबॉक, अमित कुमार सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक जंक्शन पर उपस्थित रहे।

पटना हाईकोर्ट ने नवविवाहित दंपती को कराया एकजुट, कोर्ट में माता-पिता का आशीर्वाद लेकर साथ रवाना हुए दोनों

पटना, (एजेंसी) : पटना हाईकोर्ट ने एक नवविवाहित दंपती को फिर से एकजुट कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। पति द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पत्नी को उसके पति के साथ ससुराल जाने की अनुमति दे दी। सुनवाई के बाद अदालत कक्ष में भावुक माहौल देखने को मिला, जब नवदंपती ने दोनों परिवारों के माता-पिता का आशीर्वाद लिया और साथ में रवाना हुए। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद और न्यायमूर्ति कुमार मनीष की खंडपीठ ने की। अदालत ने गोलू की ओर से दायर याचिका का निस्तारण करते हुए उसकी पत्नी रानी को पति के साथ बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के मंदिरी स्थित ससुराल जाने की अनुमति प्रदान की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनुराज सिंह ने अदालत को बताया कि दोनों बालिग हैं और हाल ही में उन्होंने अपनी मर्जी से विवाह किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विवाह का विरोध करने वाले रानी के पिता और भाई ने उसे गौरीचक स्थित मायके में जबरन रोक रखा था। इतना ही नहीं, पति से संपर्क न हो सके, इसके लिए उसका मोबाइल फोन भी अपने कब्जे में ले लिया गया था। इस मामले पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 30 जून को गौरीचक थाना प्रभारी को निर्देश दिया था कि वह जांच कर रिपोर्ट दें कि रानी को अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया है या नहीं। पुलिस की रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं होने पर अदालत ने रानी और उसके माता-पिता को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने जब रानी से उसकी इच्छा पूछी तो उसने स्पष्ट रूप से कहा कि वह अपने पति गोलू के साथ रहना चाहती है। हालांकि, उसने दोनों परिवारों के बीच चल रहे विवाद और तनाव को लेकर चिंता भी व्यक्त की। रानी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने गोलू के माता-पिता से एक शपथपत्र (एफिडेविट) दाखिल करने को कहा, जिसमें ससुराल में रानी की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया।

मनिहारी गंगा घाट रिवर फ्रंट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण में लाएं तेजी: मुख्य सचिव

कटिहार, 03 जुलाई (हि.स.)। बिहार राज्य गंगा समिति की सातवीं महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार सुबह राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संपन्न हुई। इस उच्च स्तरीय बैठक में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत चल रही विभिन्न परियोजनाओं और जिला गंगा समितियों की मासिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कटिहार जिले की ओर से जिलाधिकारी के नेतृत्व में नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, डीआरडीए निदेशक और डीपीओ (नमामि गंगे) सहित जिला गंगा समिति से जुड़े अन्य संबंधित अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

समीक्षा बैठक के दौरान कटिहार जिले के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण 'मनिहारी गंगा घाट रिवर फ्रंट विकास परियोजना' तथा कटिहार नगर क्षेत्र में 'इंटरसेप्शन एंड डाइवर्जन' और 'सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट' परियोजना के निर्माण कार्य की प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही किसी भी प्रकार की बाधाओं को तत्काल दूर करते हुए कार्यों की गति तेज करने का निर्देश दिया।

बैठक में गंगा संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं की अद्यतन स्थिति का भी गहन जायजा लिया गया। इस दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग (पटना), बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन एवं पर्यावरण विभाग, तथा खान एवं भूतत्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज की।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं को समय पर धरातल पर उतारने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर काम करें। परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो।

होटल में विवाद ने लिया हिंसक रूप, एनएच-27 पर एक घंटे तक अफरा-तफरी

किशनगंज, (एजेंसी) : सदर थाना क्षेत्र के डीएम आवास के समीप डुमरिया भट्टा स्थित एनएच-27 पर शुक्रवार को होटल चंद्रा में मारपीट की घटना के बाद जमकर हंगामा हुआ।

घटना के चलते करीब एक घंटे तक इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा और सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

मारपीट में घायल युवक, जो कृष्णा होटल का कर्मचारी बताया जा रहा है, ने आरोप लगाया कि होटल चंद्रा के संचालक और उनके सहयोगियों ने उसके साथ मारपीट की। घायल के अनुसार, विवाद ग्राहकों को लेकर हुई बातचीत से शुरू हुआ। उसने बताया कि होटल संचालक ने ग्राहकों की संख्या के बारे में पूछताछ की, जिस पर उसने अपने मालिक से बात करने की बात कही।इसी दौरान विवाद बढ़ गया और उसके साथ मारपीट की गई।

घटना के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हंगामे के बीच होटल में कुछ युवक-युवतियों की मौजूदगी को लेकर भी चर्चा होती रही। कुछ लोगों ने होटल में नाबालिग लड़के-लड़कियों के होने का आरोप लगाया, हालांकि पुलिस ने इस संबंध में किसी भी दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

स्थानीय लोगों का यह भी दावा है कि पुलिस द्वारा होटल परिसर की जांच के दौरान कुछ आपत्तिजनक सामग्री और कपड़े बरामद किए गए।

हालांकि पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही बरामद सामान और उससे जुड़े तथ्यों की पुष्टि की जाएगी।

स्थानीय निवासी मोहम्मद साजिद ने आरोप लगाया कि संबंधित होटल में लंबे समय से अनियमित गतिविधियां संचालित हो रही हैं और आने वाले लोगों का समुचित रिकॉर्ड भी नहीं रखा जाता। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

एसडीपीओ-वन खुसरु सिराज ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

मारपीट, होटल संचालन में कथित अनियमितताओं तथा अन्य सभी आरोपों की गंभीरता से जांच की जा रही है।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किसी भी संवेदनशील घटना का अंतिम निष्कर्ष तथ्यों व जांच के आधार पर ही हो:मांझी

भरत तिवारी का इनकाउंटर मामले पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा

गया (एजेंसी) : केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि मेरा स्पष्ट मत है कि किसी भी संवेदनशील घटना पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों और जांच के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए न कि भावनाओं या राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर। यदि सरकार ने भरत तिवारी इंकाउंटर प्रकरण की न्यायिक जांच के लिए आयोग का गठन किया है तो उसका उद्देश्य यही है कि पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यपरक जांच हो सके।आयोग की रिपोर्ट आने से पहले यह कहना कि यह पूरी तरह हत्या थी या पूरी तरह आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई थी दोनों ही कहना उचित नहीं प्रतीत होता है। न्यायिक आयोग का सम्मान करना और उसकी प्रक्रिया पर भरोसा रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना है। यदि किसी के पास ठोस साक्ष्य हैं तो उन्हें आयोग के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए ताकि सत्य सामने आ सके। लेकिन बिना जांच पूरी हुए किसी व्यक्ति, पुलिस अधिकारी या सरकार को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है।यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि कानून का उल्लंघन हुआ है और किसी ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं यदि यह साबित होता है कि पुलिस ने आत्मरक्षा या कानूनी दायित्व के तहत कार्रवाई की तो उस सत्य को भी स्वीकार किया जाना चाहिए।हमारा आग्रह केवल इतना है कि न्यायिक आयोग को स्वतंत्र रूप से अपना कार्य पूरा करने दिया जाए। सत्य जो भी होगा वही देश और समाज के सामने आना चाहिए। कानून से ऊपर कोई नहीं है और न्याय तथ्यों के आधार पर ही होना चाहिए। भरत तिवारी का इनकाउंटर हत्या के नीयत से किया गया था कि पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई उसके लिए न्यायिक जांच आयोग का गठन हो गया है। आयोग की रिपोर्ट तो आ जाने दिजिए बिना रिपोर्ट आए यह कहना कि भरत तिवारी की हत्या ही हुई है यह कहीं से ठीक नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार में शामिल लोगों को लगता है कि भरत तिवारी की हत्या हुई है तो आयोग के गठन की आवश्यकता ही क्या है। आयोग को भंग किजिए और दोषी पदाधिकारियों को फाँसी लगा ही दिजिए।

कटिहार में बिहार सतर्कता जागरूकता दिवस अभियान का आगाज, आठ जुलाई तक चलेंगे विशेष कार्यक्रम

कटिहार, (एजेंसी) : भ्रष्टाचार के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाने और शासन में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कटिहार जिले में 02 जुलाई से 08 जुलाई तक 'बिहार सतर्कता जागरूकता दिवस' सप्ताह मनाया जा रहा है। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान के तहत पंचायत से लेकर जिला स्तर तक हर दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसका मुख्य और समापन कार्यक्रम 08 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।बिहार सरकार के निगरानी विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए जिला प्रशासन ने इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना जारी की है। इसके तहत तीन जुलाई को जिला स्तरीय सभी विभागों के अधीनस्थ कार्यालयों में शाम पांच बजे लोक सेवकों द्वारा 'सतर्कता शपथ-पत्र' का पाठ और शपथ ग्रहण किया गया। चार जुलाई को जिले के सभी प्रखंड, अंचल, पंचायत, वार्ड और ग्राम स्तर पर शपथ-पत्र का पाठ और जागरूकता कार्यक्रम होंगे, जिसकी निगरानी थाना स्तर पर पुलिस पदाधिकारियों द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, पांच जुलाई को शाम चार बजे एनआईसी सभागार में एसडीपीओ और थाना प्रभारियों के लिए 'सतर्कता' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन होगा।अभियान के अगले चरण में छह जुलाई को स्कूली विद्यार्थियों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता और सात जुलाई को सतर्कता संबंधी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।ह

गया जंक्शनः वन-बी प्लेटफॉर्म का बदल रहा स्वरूप, युद्ध स्तर पर पुनर्विकास कार्य तेज

वर्षो से उपेक्षा इस प्लेटफॉर्म की होगी समस्या समाप्त, यात्रियों को मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं

मेगा ब्लॉक के दौरान आधुनिक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन के सबसे उपेक्षित माने जाने वाले वन-बी प्लेटफॉर्म का अब तेजी से कायाकल्प किया जा रहा है। लंबे समय से गंदगी, जर्जर फर्श और यात्री सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे इस प्लेटफॉर्म पर रेलवे द्वारा युद्ध स्तर पर पुनर्विकास कार्य कराया जा रहा है। निर्माण कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए रेलवे ने एक पखवारे का मेगा ब्लॉक लिया है जिसके दौरान विभिन्न निर्माण गतिविधियां तेज गति से संचालित की जा रही हैं। सर्वाधिक किउल के लिए चलने वाली इस प्लेटफॉर्म का पुनर्विकास के तहत प्लेटफॉर्म की ऊंचाई को मानकों के अनुरूप किया जा रहा है। इसके साथ ही आधुनिक यात्री शेड, बेहतर गुणवत्ता का फर्श, आरामदायक बैठने की सीटें, सुव्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक यात्री सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। निर्माण पूरा होने के बाद वन-बी प्लेटफॉर्म का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा और यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। रेलवे के रेल कंस्ट्रक्शन विभाग के अभियंताओं एवं निर्माण एजेंसी के अधिकारियों ने निर्माण कार्यों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने निर्माण एजेंसी को सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण टीम में रेल कंस्ट्रक्शन विभाग के अभियंता हरिगोविंद राय, निर्माण कंपनी के जीएम विनोद कुमार सिंह तथा प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार सिन्हा शामिल रहे। इस दौरान कंपनी के सनोज कुमार, प्रमोद कुमार उर्फ लोहा सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि वन-बी प्लेटफॉर्म से सटे एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है जिससे भविष्य में ट्रेनों के संचालन और यात्रियों की आवाजाही को और अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। रेलवे का उद्देश्य गया जंक्शन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करते हुए यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है। बताया गया कि मेगा ब्लॉक अवधि के दौरान निर्माण कार्यों में और तेजी लाई जाएगी ताकि निर्धारित समय के भीतर सभी कार्य पूर्ण कर प्लेटफॉर्म को यात्रियों के लिए समर्पित किया जा सके। पुनर्विकसित वन-बी प्लेटफॉर्म न केवल गया जंक्शन की आधारभूत संरचना को मजबूती देगा, बल्कि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बेहतर रेल सेवाओं का अनुभव भी प्रदान करेगा।

संपादकीय

राम मंदिर का चढ़ावा चोरी, भ्रष्टाचार, नैतिकता संवेदनाओं और आस्थाओं का बदलता स्वरूप

भारत की सामाजिक एवं धार्मिक मान्यताएं, प्रकृति, संवेदना, नैतिकता से सारे विश्व में देश की एक अलग पहचान थी। हजारों वर्षों से भारत की भूमि पर विभिन्न मान्यताओं और विभिन्न धर्मो के लोग जिस सामाजिक सद्भाव के साथ रहते आए हैं, उसको देखकर सारी दुनिया आश्चर्य करती थी। वहीं भारत पिछले तीन दशक में बड़ी तेजी के साथ बदला है। नए भारत में भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। पुरानी मान्यताओं के स्थान पर आर्थिक समृद्धि को ही सब कुछ मान लिया गया है। धन एवं पद प्राप्त करने के लिए कोई भी माध्यम हो, सामाजिक स्तर पर एक तरह से स्वीकार कर लिया गया है। भारत में पहले ज्ञानियों को विशिष्ट स्थान मिलता था, अब जिनके पास धन और ऐश्वर्य है, समाज में उन्हें विशिष्ट माना जाने लगा है। पिछले तीन दशक में जिस तरीके से भारत में भ्रष्टाचार, नैतिकता संवेदनाओं और आस्थाओं में परिवर्तन देखने को मिल रहा है, उसने भारतीय समाज को पूरी तरह से बदल दिया है। भारत एक असंवेदनशील राष्ट्र के रूप में परिवर्तित होता जा रहा है। हर आदमी किसी भी तरीके से पैसे कमाने के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार है। 1993 में वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के सभी देशों के बीच में वैश्विक कारोबार शुरू हुआ। उधार लेकर खर्च करने की जो प्रवृत्ति भारत सहित दुनिया के सारे देशों में देखने को मिली, उसने भ्रष्टाचार और नैतिकता को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। 1993 के बाद से भ्रष्टाचार बढ़ता चला गया। उसके साथ ही नैतिकता भी खत्म होती चली गई। अब एक ही लक्ष्य होता है, किसी भी तरह से लक्ष्य को प्राप्त किया जाए। लक्ष्य को प्राप्त करना ही सफलता का सबसे बड़ा मानदंड मान लिया गया है।

भारत में प्राकृतिक संसाधनों का अधाधुंध दोहन हो रहा है। हिमालय की श्रृंखला और देवभूमि तथा जंगलों में जिस तरह से विकास के नाम पर विनाश किया जा रहा है। धार्मिक स्थलों पर विलासिता बढ़ती चली जा रही है। गरीब और मध्यम वर्ग कर्ज लेकर विलासिता में फंसता चला जा रहा है। समाज में नैतिकता और संवेदनशीलता खत्म होती जा रही है। हर जगह भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है। समाज के हर वर्ग में भ्रष्टाचार फैल चुका है। ले-देकर काम कराने की प्रवृत्ति बढ़ती चली जा रही है। संस्थागत भ्रष्टाचार भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। केंद्र एवं राज्य सरकार के कामकाज में हर स्तर पर रिश्वत देनी पड़ रही है। बिना चढावे के कोई काम नहीं हो रहा है।

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे की सोचो क्योंकि विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।

: धीरुभाई अम्बानी

मैं कर सकता हूँ, यह विश्वाश है. केवल मैं ही कर सकता हूँ, यह अंधविश्वास है।

: अज्ञात

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है।

विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वले विवेकानंद काफी चंचल प्रवृति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थी लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमे शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में यह अव्वल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वद से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की।गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरुरी है क्युकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगो को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बदने की राह खोली।

11 सितंबर सन्‍ 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली ह्यवेदांत सोसाइटीह्ल की स्थापना की।

विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं।शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा।

जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए। मद्रास की एक सभा को संबोधित करते हुए स्वामीजी ने कहा भारत की समस्या अन्य देशों की समस्याओं की तुलना से ज्यादा पेचीदा है। जात, धर्म, भाषा, सरकार ये सब मिलकर राष्ट्र बनता है। फिर भारत जैसे राष्ट्र का एक अनोखा इतिहास है जहां आर्य, द्रविड़, मुसलमान मुगल एवं यूरोपीय साथ-साथ बसते हैं बावजूद हमारे में एक पवित्र बंधन, पवित्र परम्परा रह 1894 में न्यूयार्क में उन्होंने वेदांत सोसाईटी बनाई। सन्‍ 1896 तक वे अमेरिका रहे। उन्हीं का व्यक्तित्व था, जिसने भारत एवं हिन्दू-धर्म के गौरव को प्रथम बार विदेशों में जागृत किया।

हर्षवर्धन पान्डे

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मोदी का मिशन 360: सत्ता के सुपर बहुमत की राजनीति या लोकतंत्र का नया अध्याय?

संसदीय संख्याबल, दल-बदल, संवैधानिक सुधार, विपक्ष की रणनीति और लोकतांत्रिक मयार्दाओं के बीच बदलते भारतीय राजनीतिक परिदृश्य का संतुलित विश्लेषण।

भारतीय राजनीति में इन दिनों एक शब्द तेजी से चर्चा के केंद्र में है - मोदी महामिशन मिशन 360 ।यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने इस नाम से किसी आधिकारिक अभियान की घोषणा नहीं की है, फिर भी सत्ता और विपक्ष के राजनीतिक गलियारों में यह धारणा तेजी से मजबूत हो रही है कि भाजपा आगामी वर्षों में संसद के दोनों सदनों में ऐसा संख्याबल अर्जित करने की रणनीति पर काम कर रही है,जिससे न केवल राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित हो, बल्कि संवैधानिक एवं नीतिगत सुधारों को भी अपेक्षाकृत सहजता से आगे बढ़ाया जा सके।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल अगले चुनाव की तैयारी नहीं,बल्कि दीर्घकालिक राजनीतिक वर्चस्व की रणनीति का हिस्सा हो सकता है।वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती बताते हुए आरोप लगा रहा है कि सत्ता पक्ष विपक्षी दलों में राजनीतिक सेंध लगाने का प्रयास कर रहा है।सत्य चाहे जो हो,इतना स्पष्ट है कि भारतीय राजनीति एक नए संक्रमणकाल से गुजर रही है, जहाँ चुनावी जीत के साथ-साथ संसदीय गणित, गठबंधन प्रबंधन और संवैधानिक व्याख्याएँ भी सत्ता की दिशा तय कर रही हैं।भारतीय संविधान किसी भी राजनीतिक दल को व्यापक जनादेश प्राप्त करने से नहीं रोकता।लोकतंत्र का मूल आधार ही जनता का विश्वास है।यदि कोई दल चुनाव जीतकर या वैधानिक गठबंधन के माध्यम से बहुमत प्राप्त करता है तो उसमें कोई असंवैधानिकता नहीं है।किंतु जब बहुमत प्राप्त करने की प्रक्रिया विपक्षी दलों में टूट,निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल परिवर्तन अथवा राजनीतिक पुनर्सरेखण के माध्यम से आगे बढ़ती दिखाई देती है,तब लोकतांत्रिक नैतिकता पर बहस स्वाभाविक हो जाती है।यही कारण है कि आज मोदी महामिशन 360 केवल एक राजनीतिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा को लेकर उठ रहे अनेक प्रश्नों का प्रतीक बन चुका है।लोकसभा में साधारण बहुमत सरकार चलाने के लिए पर्याप्त होता है,किंतु संविधान संशोधन जैसे विषयों पर विशेष बहुमत आवश्यक है।संविधान के अनुच्छेद 368 के अंतर्गत अनेक संशोधनों के लिए दोनों सदनों में विशेष बहुमत चाहिए तथा कुछ मामलों में आधे राज्यों की स्वीकृति भी आवश्यक होती है।इसलिए किसी भी सरकार के लिए केवल सत्ता में बने रहना पर्याप्त नहीं, बल्कि संसद में व्यापक संख्याबल भी राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।इसी संदर्भ में राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि महिला आरक्षण कानून के पूर्ण क्रियान्वयन, परिसीमन,एक देशझ एक चुनाव,प्रशासनिक सुधार तथा भविष्य के अन्य संवैधानिक विषयों को देखते हुए भाजपा अपनी संसदीय शक्ति को और विस्तृत करना चाहती है।ज्ञायत्व रहे कि भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नया अध्याय नहीं है।वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गयालाल के बार-बार दल बदलने के बाद आया राम,गया राम भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया।इसी राजनीतिक अस्थिरता को रोकने के लिए 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया।बाद में 91वें संविधान संशोधन (2003) ने इसे और कठोर बनाया।

फिर भी पिछले एक दशक की राजनीति ने यह दिखाया कि कानून होने के बावजूद राजनीतिक पुनर्संरचना पूरी तरह नहीं रुकी।सबसे बड़ा उदाहरण महाराष्ट्र रहा। पहले शिवसेना में विभाजन हुआ और बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी दो हिस्सों में बंट गई।इन घटनाओं ने केवल सरकार नहीं बदली,बल्कि दल-बदल कानून की व्याख्या, विधानसभा अध्यक्ष की संवैधानिक भूमिका,निर्वाचन आयोग की शक्तियों तथा सर्वोच्च न्यायालय की सीमाओं पर भी व्यापक बहस छेड़ दी।सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि निर्वाचित जनादेश और संवैधानिक मयार्दा दोनों की रक्षा आवश्यक है, किंतु अनेक परिस्थितियों में अंतिम निर्णय विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र से भी जुड़ा रहता है। इससे यह संदेश गया कि आज राजनीतिक लड़ाई केवल विधानसभा या संसद में नहीं,बल्कि न्यायालयों में भी लड़ी जा रही है।मध्य प्रदेश में सरकार परिवर्तन,कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन तथा विभिन्न राज्यों में दल-बदल की घटनाओं ने यह स्थापित किया कि संख्या का खेल अब केवल चुनाव परिणामों से तय नहीं होता, बल्कि चुनाव के बाद की राजनीतिक रणनीति भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो चुकी है।पश्चिम बंगाल भी इस बहस का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।विधानसभा चुनाव के पहले और बाद में कई नेताओं के दल बदलने की घटनाएँ सामने आईं।कुछ नेता तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, जबकि बाद में कुछ पुनः वापस लौटे।इन घटनाओं ने यह प्रश्न खड़ा किया कि क्या भारतीय राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर हो रही है और चुनावी गणित अधिक प्रभावी बनता जा रहा है।दिल्ली और पंजाब की राजनीति में भी समय-समय पर आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों और नेताओं के संबंध में विभिन्न प्रकार की राजनीतिक अटकलें सामने आती रही हैं।हालाँकि अधिकाँश मामलों में न तो इन चचाओं की आधिकारिक पुष्टि हुई और न ही वे निर्णायक राजनीतिक घटनाक्रम में बदलीं,लेकिन इससे यह संकेत अवश्य मिलता है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक सांसद और प्रत्येक क्षेत्रीय दल भविष्य के सत्ता समीकरण का संभावित हिस्सा माना जा रहा है।यहीं से मोदी महामिशन 360 की चर्चा को बल मिलता है।यदि किसी राजनीतिक दल का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं,बल्कि संसद में इतना व्यापक समर्थन प्राप्त करना हो कि भविष्य के बड़े संवैधानिक एजेंडे को भी आगे बढ़ाया जा सके,तो स्वाभाविक रूप से उसकी रणनीति केवल चुनावी प्रचार तक सीमित नहीं रह सकती।यद्यपि भाजपा इस प्रकार की राजनीतिक चचाओं पर सार्वजनिक रूप से संयमित रुख अपनाती रही है,लेकिन विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई,राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का उपयोग विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है।दूसरी ओर भाजपा का तर्क रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वयं उसके साथ जुड़ते हैं तो वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है और जनता अंततः चुनाव में इसका निर्णय करती है।यहीं भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा होता है -क्या दल बदलना जनादेश का सम्मान है या जनादेश का पुनर्लेखन?संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को आजीवन किसी दल से बंधा रहने का आदेश नहीं देता,किंतु दसवीं अनुसूची का उद्देश्य व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचित जनादेश को बदलने से रोकना अवश्य है।इसलिए यदि कानून की भावना और राजनीतिक व्यवहार के बीच लगातार दूरी बढ़ती है,तो भविष्य में दल-बदल विरोधी कानून की पुर्नसमीक्षा की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता।भारतीय राजनीति का मौजूदा दौर केवल सरकार और विपक्ष के बीच टकराव का नहीं, बल्कि राजनीतिक संगठन क्षमता,नेतृत्व,वैचारिक विस्तार और संसदीय अंकगणित की प्रतिस्पर्धा का भी है।पिछले एक दशक में भाजपा ने स्वयं को केवल एक चुनावी दल के रूप में नहीं,बल्कि देशव्यापी संगठन के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है।

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7562

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7561 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

दैनिक पंचांग

4 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

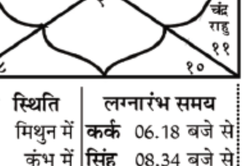

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.18 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	08.34 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.46 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.57 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.11 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.27 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.33 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.19 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.52 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मेष	00.22 बजे से
		वृष	02.02 बजे से
		मिथुन	04.01 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 185 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 12.41 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 13.44 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 17.02 बजे को समाप्त।
करण बालव 12.41 बजे तदनन्तर कौलव 01.10 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 53'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872760
जूलियन दिन 2461225.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम
तारीख 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से 07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक	
चर	11.46 से 01.14 बजे तक		चर	11.47 से 01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक		रोग	01.19 से 02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक		काल	02.51 से 04.23 बजे तक	
काल	04.10 से 05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

क्या विश्व अर्थव्यवस्था का अगला विकास इंजन भारत बनेगा?

अमेरिकी प्रशंसा,ब्रिटेन एफटीए,निवेश आकर्षण वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में समग्र व्यापक विश्लेषणअमेरिकी वदेश मंत्री द्वारा भारत और भारत के पीएम की सार्वजनिक प्रशंसा-भारत बनेगा वैश्विक आर्थिक महाशक्ति, सुनहरे भविष्य का नया अध्याय -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक रणनीतिक संबंध, एफटीए व्यापारिक सहयोग भारतीय उद्योगों की अंतरराष्ट्रीय सफलता,समुद्री कूटनीति, एमएसएमई सशक्तीकरण और निरंतर आर्थिक सुधार,भारत को विश्व अर्थव्यवस्था के प्रमुख विकास इंजन बनाएगा? वैश्विक स्तरपर विश्व की आर्थिक व्यवस्था में किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सैन्य क्षमता से पहले उसकी आर्थिक मजबूती से आंकी जाती है।विकसित राष्ट्र बनने के अनेक मानदंड हैं,किंतु उन सभी का मूल आधार सुदृढ़ अर्थव्यवस्था,स्थिर वित्तीय व्यवस्था निवेशकों का विश्वास, मजबूत पूंजी बाजार और प्रभावी वैश्विक साझेदारियां हैं।आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर तीसरे स्थान की ओर तेजी से अग्रसर है।इसी पृष्ठभूमि में आठ महत्वपूर्ण घटनाएं भारत की आर्थिक यात्रा को नई दिशा देती दिखाई देती हैं।27 जून 2026 को अमेरिकी विदेश मंत्री द्वारा भारत और भारत के प्रधानमंत्री की सार्वजनिक प्रशंसा,भारत को अमेरिका का सबसे करीबी रणनीतिक साझेदार बताना, वैश्विक रेटिंग एजेंसियों की भूमिका पर उठे प्रश्न, भारत- ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की संभावनाएं, भारतीय मूल की कंपनियों की वैश्विक सफलता पर ब्रिटिश रिपोर्टें,एमएसएमई दिवस 27 जून 2026 पर उद्यमिता को लेकर दिया गया संदेश,वैश्विक कंपनियों के निदेशकों को भारत के विकास से परिचित कराने की रणनीति तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 जून 2026 को शुरू हुई तीन दिवसीय सेशेल्स यात्रा।इनसभी घटनाओं का साझा संकेत यह है कि भारत केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि आने वाले दशकों में वैश्विक निवेश,उत्पादन,व्यापार और पूंजी निर्माण का प्रमुख केंद्र बनने की क्षमता रखता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि विश्व इतिहास बताता है कि जिन देशों की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई,वही विश्व राजनीति और वैश्विक व्यापार के केंद्र बने।अमेरिका, जापान,जर्मनी, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने अपनी आर्थिक शक्ति के आधार पर विश्व में प्रभाव स्थापित किया।आज भारत भी उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।लगभग डेढ़ अरब की आबादी, विशाल घरेलू बाजार,युवा कार्यबल, तीव्र डिजिटलीकरण, मजबूत बैंकिंग व्यवस्था,रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह,बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार,विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली नीतियां तथा आधारभूत संरचना में अभूतपूर्व निवेश भारत को विश्व की सबसे आकर्षक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कर रहे हैं। यही कारण है कि वैश्विक निवेशक अब भारत को केवल विकासशील देश नहीं बल्कि दीर्घकालिक निवेश गंतव्य के रूप में देखने लगे हैं। साथियों, शेयर बाजार किसी देश की अर्थव्यवस्था का दर्पण माना जाता है,लेकिन यह वर्तमान की अपेक्षा भविष्य की संभावनाओं पर अधिक प्रतिक्रिया देता है।जब निवेशकों को विश्वास होता है कि किसी देश की नीतियां स्थिर हैं,सरकार सुधारों के प्रति प्रतिबद्ध है, अंतरराष्ट्रीय संबंध मजबूत हो रहे हैं और उद्योगों को विस्तार के अवसर मिल रहे हैं,तब पूंजी बाजार में सकारात्मक वातावरण बनता है।इसके विपरीत राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध,आर्थिक मंदी, बढ़ती महंगाई या वैश्विक अविश्वास बाजार में गिरावट का कारण बन सकते हैं।इसलिए कूटनीतिक घटनाओं का भी शेयर बाजार पर अप्रत्यक्ष लेकिन महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। 27 जून 2026 को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो द्वारा भारत और भारतीय प्रधानमंत्री की प्रशंसा को इसी व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। उन्होंने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी रणनीतिकसाझेदार बताते हुए कहा कि भारतीय पीएम के नेतृत्व में भारत आर्थिक रूप से अधिक मजबूत होकर प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है।उन्होंने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा सुरक्षा,आपूर्ति श्रृंखला तथा समुद्री नेविगेशन जैसे क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग की भी सराहना की। अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए ऐसे बयान यह संकेत देते हैं कि विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत को दीर्घकालिक रणनीतिक भागीदार के रूप में देख रही है। इससे भारत की वैश्विक विश्वसनीयता मजबूत हो सकती है और निवेशकों का मनोबल बढ़ सकता है।

साथियों, यदि किसी देश के पक्ष में वैश्विक महाशक्ति सकारात्मक संदेश देती है तो उसका प्रभाव प्रत्यक्ष से अधिक मनोवैज्ञानिक होता है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई), वैश्विक पेंशन फंड, संप्रभु संपत्ति कोष तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियां निवेश निर्णय लेते समय केवल कंपनी की बैलेंस शीट नहीं देखतीं,बल्कि राजनीतिक स्थिरता,अंतरराष्ट्रीय संबंध, कानून व्यवस्था, व्यापारिक वातावरण और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी मूल्यांकन करती हैं।इस दृष्टि से भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी भारतीय शेयर बाजार के लिए दीर्घकालिक सकारात्मक संकेत मानी जा सकती है।

आज भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कोविड महामारी और विभिन्न भू-राजनीतिक घटनाओं के बाद विश्व की अनेक कंपनियां उत्पादन का विविधीकरण चाहती हैं।ऐसी स्थिति में यदि भारत विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभरता है तो इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर,रक्षा विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल,फार्मास्यूटिकल्स, लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह क्षेत्रों में बड़े निवेश संभव हैं। इन क्षेत्रों से जुड़ी सूचीबद्ध कंपनियों को भी दीर्घकालिक लाभ मिल सकता है। साथियों, विश्व अर्थव्यवस्था में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।फिच,मूडीज और एसएंडपी जैसी एजेंसियां किसी देश की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग निर्धारित करती हैं। उनकी रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि संबंधित देश अपनी वित्तीय जिम्मेदारियों को किस सीमा तक निभाने में सक्षम है।यदि किसी देश की रेटिंग बेहतर होती है तो विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ सकता है,सरकार अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर ऋण जुटा सकती है,विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ सकता है तथा बांड और शेयर बाजार दोनों को लाभ मिल सकता है। दूसरी ओर यदि रेटिंग घटती है तो विदेशी निवेशकों का जोखिम आकलन बढ़ जाता है, पूंजी निकासी का खतरा बढ़ सकता है तथा बाजार में अस्थिरता दिखाई दे सकती है।हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की वास्तविक आर्थिक शक्ति केवल रेटिंग एजेंसियों से निर्धारित नहीं होती। कई बार किसी देश का वास्तविक आर्थिक प्रदर्शन उसकी रेटिंग से बेहतर होता है। इसी संदर्भ में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 26 जून 2026 को लंदन में कहा कि कुछ वैश्विक रेटिंग एजेंसियां भारत के साथ निष्पक्ष व्यवहार नहीं कर रही हैं और उन्होंने कुछ कमजोर अर्थव्यवस्थाओं को भी भारत से बेहतर रेटिंग दी है।यह टिप्पणी वैश्विक वित्तीय मूल्यांकन प्रणाली पर एक गंभीर बहस को जन्म देती है। यदि भारत निरंतर उच्च विकास दर,बेहतर कर संग्रह, नियंत्रित राजकोषीय घाटा, मजबूत बैंकिंग प्रणाली और संरचनात्मक सुधार जारी रखता है,तो अंततः वास्तविक आर्थिक प्रदर्शन ही निवेशकों का विश्वास जीतता है।भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक अवसर सिद्ध हो सकता है। एफटीए का मूल उद्देश्य व्यापारिक बाधाओं को कम करना, आयात-निर्यात को सरल बनाना और निवेश को प्रोत्साहित करना है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

सैफुल्ला झील में नाव पलटने से एक ही परिवार के 6 लोग डूबे, 3 लापता

करांची। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के बेहद खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थल स्वात जिले की कलाम घाटी में स्थित सैफुल्ला झील में एक नाव पलटने से एक ही परिवार के छह लोगों की डूबने से मौत हो गई। इस हादसे में परिवार के तीन अन्य सदस्य अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह हादसा बुधवार को अपर स्वात जिले की कलाम घाटी स्थित सैफुल्ला झील में हुआ। सैफुल्ला झील एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। पुलिस के मुताबिक झील में सैर के दौरान नाव में सवार सभी नौ यात्री एक ही परिवार के सदस्य थे। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद 'रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि महोदंद क्षेत्र के पास झील से छह लोगों के शव बरामद हुए जबकि लापता तीन अन्य लोगों की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि मृतकों में शामिल सभी लोग पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत के रहने वाले थे। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। खैबर पख्तूनख्वा के सीएम सोहेल अफरीदी ने इस घटना पर संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की। सीएम ने प्रशासन को निर्देश दिया कि अगर जांच में लापरवाही या कदाचार की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

नेपाल में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम घटे, पेट्रोल 20 और डीजल 30 रुपये प्रति लीटर सस्ता

काठमांडू। नेपाल ऑयल निगम ने पेट्रोलियम पदार्थों के खुदरा मूल्य में भारी कटौती की है। निगम के अनुसार नई कीमतें बुधवार देर रात १२ बजे से लागू हो गई हैं। इसके तहत पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर 20 रुपये, डीजल और मिट्टी तेल में 30 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। वहीं, घरेलू हवाई ईंधन में 40 रुपये और अंतरराष्ट्रीय हवाई ईंधन के लिए काठमांडू में प्रति किलोलीटर 265 अमेरिकी डॉलर की कटौती की गई है। इसके अलावा खाना पकाने वाली गैस भी प्रति सिलेंडर 100 रुपये सस्ती कर दी गई है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय हवाई ईंधन के लिए पोखरा और भैरहवा में बिक्री मूल्य ब्रेक-ईवन पॉइंट पर ही कायम रखा जाएगा। नई दरों के अनुसार अब उपभोक्ताओं को पेट्रोल के लिए 197 रुपये प्रति लीटर चुकाने होंगे, जबकि डीजल और मिट्टी तेल 195 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। इसी तरह 14.2 किलोग्राम एलपी गैस सिलेंडर की कीमत 2060 रुपये और 7.1 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत 1030 रुपये तय की गई है।

ममता बनर्जी से मिलने कालीघाट पहुंचीं सपा सांसद जया बच्चन

कोलकाता। समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अभिनेत्री जया बच्चन ने गुरुवार को कोलकाता स्थित कालीघाट आवास पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी से मुलाकात की। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन भी उनके साथ मौजूद थे। कालीघाट पहुंचने पर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने उनका स्वागत किया। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हाल के समय में इंडी गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच कुछ राजनीतिक दूरी देखने को मिली थी। कुछ दिन पहले कोलकाता आए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता किरणमय नंदा ने तृणमूल कांग्रेस की चुनावी हार के लिए ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा था कि जनता ने उन्हें स्वीकार नहीं किया, इसलिए पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि गठबंधन की राजनीतिक मजबूरियों के कारण कई बार सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाना पड़ता है। इसके विपरीत, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव परिणाम आने के बाद कोलकाता पहुंचकर ममता बनर्जी से मुलाकात की थी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर उनका समर्थन किया था। ममता बनर्जी ने भी चुनाव में धांधली और मतों की चोरी का आरोप लगाया था, जिसे लेकर न्यायालय में मामला विचाराधीन है। ऐसे राजनीतिक माहौल में जया बच्चन की कालीघाट यात्रा ने नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। जया बच्चन और ममता बनर्जी के बीच लंबे समय से अच्छे संबंध रहे हैं। इससे पहले भी जया बच्चन पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के चुनाव प्रचार में हिस्सा ले चुकी हैं। राजनीतिक हलकों में इस मुलाकात को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इसे किरणमय नंदा के हालिया बयान के बाद संबंधों में आई खटास को दूर करने की कोशिश या फिर इंडी गठबंधन की आगामी रणनीति पर चर्चा से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, दोनों नेताओं की बैठक में किन विषयों पर बातचीत हुई, इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

दिल्ली में मानसून की दस्तक, भीषण गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली। इस बार मानसून दिल्ली-एनसीआर में अपनी सामान्य तारीख (27 जून) से करीब 5 दिन की देरी से पहुंचा है। राजधानी में गुरुवार सुबह तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा हुई जिससे स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। आईएमडी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में 3 जुलाई को सुबह या दोपहर में तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30-32 डिग्री सेल्सियस और 20-22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

4 जुलाई और 5 जुलाई को यही स्थिति रहेगी। रविवार के अधिकतम तापमान में कुछ बढ़ोतरी के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, और पंजाब के शेष हिस्सों में अगले तीन दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बना है। अगले 5-6 दिनों के दौरान देश के मध्य हिस्सों में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है। 3-5 जुलाई के दौरान दक्षिण गुजरात क्षेत्र, कोंकण में, 3-4 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र, कच्छ, पश्चिमी मध्य प्रदेश में, ओडिशा में और 3-5 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। उत्तर-पश्चिम भारत के हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 5-8 जुलाई के दौरान, पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 5-7 जुलाई के दौरान, पूर्वी राजस्थान में 4-8 जुलाई के दौरान व्यापक बारिश होने की संभावना है।

असम में बाढ़ पुनर्वास को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत ने किरेन रिजिजू से की मुलाकात

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात कर राज्य में हालिया बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने हाल ही में असम का दौरा कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान मंत्री ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। डॉ. सरमा ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास और आजीविका की बहाली के लिए प्रयासों को और तेज करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार मिलकर प्रभावित परिवारों के जीवन को सामान्य बनाने के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी एक्स पर बैठक की जानकारी देते हुए असम सरकार द्वारा मानसून के दौरान बाढ़ से लोगों की सुरक्षा के लिए उठाए गए सक्रिय कदमों की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में असम विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। बैठक में केंद्रीय मंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव के के द्विवेदी तथा असम भवन की रेजिडेंट कमिश्नर कविता पद्मनाभन भी उपस्थित थी। बैठक में बाढ़ राहत, पुनर्वास तथा दीर्घकालिक पुनर्निर्माण के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया।

बंगाल में घुसपैठ रोकने को केंद्रीय गृह मंत्रालय संग काम करेगी राज्य सरकार

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय बदलाव के मुद्दे पर राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने का दावा किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि जुलाई को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। इस बैठक में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे और मुख्यमंत्री स्वयं भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के दिशा-निर्देशों के अनुरूप केंद्र और राज्य मिलकर इस मुद्दे पर संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले चरण का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। उनके अनुसार, पिछले 45 दिनों में सीमा सुरक्षा बल को आवश्यक भूमि हस्तांतरित की गई है तथा 12 स्थानों पर होल्डिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक लगभग 10 हजार घुसपैठियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत वापस भेजा गया है, जबकि वर्तमान में करीब डेढ़ हजार लोग इन होल्डिंग स्टेशनों में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के

थाने सीमा सुरक्षा बल के सहयोग से कथित घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें जेल भेजने के बजाय सीधे होल्डिंग स्टेशनों में भेज रहे हैं, जहां से निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। मतदाता सूची से हटाए गए नामों की भी समीक्षा की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि एक अगस्त से डिजिटल माध्यम से जातिगत जनगणना प्रारंभ होगी, जिसका अंतिम परिणाम 28 फरवरी, 2027 की मध्यरात्रि को जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस जनगणना में स्व-घोषणा की व्यवस्था भी रहेगी। उनका दावा है कि वास्तविक आंकड़े सामने आने के बाद कथित अवैध घुसपैठ पर और अधिक प्रभावी कार्रवाई संभव होगी तथा पूरी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

इस बीच, जनसांख्यिकीय बदलाव के अध्ययन के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति भी शीघ्र पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों का दौरा करेगी। दौरे से पहले बुधवार को समिति के सदस्यों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की है। सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार, प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से जानकारी जुटाने के लिए विस्तृत प्रश्नावली तैयार की जा चुकी है। समिति विभिन्न राज्यों में जनसांख्यिकीय बदलाव, कथित अवैध घुसपैठ तथा उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का आकलन करेगी।

गौरतलब है कि, पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय बदलाव का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक बहस का केंद्र रहा है। हाल के विधानसभा चुनाव में भी यह प्रमुख चुनावी मुद्दों में शामिल था। ऐसे में नई सरकार के कार्यकाल में उच्चस्तरीय समिति का प्रस्तावित दौरा और केंद्र-राज्य की संयुक्त बैठक राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

जबरन काम कराने के मामले को लेकर मानवाधिकार का उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की उस घटना का स्वतः संज्ञान लिया है, जहां एक कारखाने में डेढ़ साल तक 12 बंधुआ मजदूरों के साथ मारपीट और उन्हें पर्याप्त भोजन तथा मजदूरी के बिना आधी रात तक उनसे जबरन काम कराया गया है। इस मामले को लेकर आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार मुजफ्फरनगर जिले के मंडी गांव में स्थित एक पेपर प्लेट निर्माण कारखाने में काम कर रहे कई मजदूरों में से एक मजदूर कारखाने से भागने में सफल रहा और उसने तितावी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद अन्य मजदूरों को बचाया जा सका। उनकी चिकित्सा जांच में कई चोटें पाई गईं, जिनमें खरोंच, घाव, हड्डियां टूटना और लंबे समय तक शारीरिक शोषण के लक्षण शामिल हैं। पुलिस को पता चला है कि एक व्यक्ति की मौत भी हो गई है और भी मौतों की आशंका की जांच जारी है। खबरों के मुताबिक, पीड़ित उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड सहित विभिन्न राज्यों के थे और उनमें से कुछ नेपाल से भी थे। कारखाने पहुंचने पर उनके मोबाइल फोन और पहचान पत्र कथित तौर पर जब्त कर लिए गए, जिससे वे अपने परिवारों से संपर्क नहीं कर पाए। इसके अलावा, मजदूरों को डराने और उन्हें भागने से रोकने के लिए पिट बुल कुत्तों का इस्तेमाल किया गया था। आयोग ने मुजफ्फरनगर जिला मजिस्ट्रेट को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की मानक संचालन प्रक्रिया और बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के अनुसार मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। साथ ही, 8 दिसंबर 2021 की अपनी सलाह 2.0 के अनुसार श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल पर तत्काल पंजीकृत करने का भी निर्देश दिया है।

महिला समेत तीन यात्री गिरफ्तार एक करोड़ का सोना बरामद

एजेंसी, अमृतसर

अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने महिला समेत तीन यात्रियों से 1 करोड़ रुपये से अधिक कीमत का सोना बरामद किया है। यह यात्री सोने को पेस्ट, जूतों, कड़ों और चेन के रूप में छिपाकर भारत लाने की कोशिश कर रहे थे।

पहले मामले में शारजाह से फ्लाइट नंबर 6E1428 के जरिए अमृतसर पहुंचे एक यात्री को डीआरआई और कस्टम अधिकारियों ने संदेह के आधार पर रोका। जांच, एक्स-रे स्कैनिंग और व्यक्तिगत तलाशी के दौरान उसके पास से पेस्ट के रूप में 174 ग्राम सोना बरामद हुआ। प्रोसेसिंग के बाद इसका शुद्ध वजन 150.04 ग्राम पाया गया, जिसकी कीमत 22 लाख

♦ पेस्ट, जूतों, कड़ों और चेन में छिपाकर लाया जा रहा था सोना, कस्टम और डीआरआई ने शुरू की जांच

5 हजार 588 रुपये आंकी गई। यह सोना जूतों के अंदर छिपाकर लाया जा रहा था। दूसरे मामले में कस्टम अधिकारियों ने शारजाह से फ्लाइट नंबर IX-138 से पहुंची एक महिला यात्री को जांच के लिए रोका। तलाशी और एक्स-रे स्कैनिंग के दौरान उसके पास से पेस्ट के रूप में 114 ग्राम सोना बरामद हुआ।

राम मंदिर चढ़ावा मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांचः केसी वेणुगोपाल

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उच्चतम न्यायालय की निगरानी में स्वतंत्र जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला सामान्य चोरी नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा एक बड़ा घोटाला है। वेणुगोपाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पत्र साझा करते हुए कहा कि राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। करोड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान राम के नाम पर अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, लेकिन उन पैसों के दुरुपयोग और

गबन के आरोप सामने आ रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के नाम और आस्था का राजनीतिक तथा आर्थिक लाभ के लिए दुरुपयोग किया गया। राम मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद सार्वजनिक भूमि पर केंद्र सरकार द्वारा गठित सार्वजनिक ट्रस्ट के नेतृत्व में हुआ है, इसलिए मंदिर प्रशासन में होने वाली किसी भी अनियमितता की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है।

वेणुगोपाल ने दावा किया कि विभिन्न स्तरों से चोरी और वित्तीय गड़बड़ियों को लेकर कई बार चेतावनियां दी गईं, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। मंदिर प्रबंधन से जुड़े जिम्मेदार लोगों ने करोड़ों रुपये की कथित लूट के दौरान जानबूझकर आंखें मूंदे रखीं।

पत्र में वेणुगोपाल ने कहा कि प्रारंभिक जांच से यह संकेत मिला है कि मंदिर में दान की नकदी और आभूषणों के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुईं। सात से आठ महीने के महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज भी नष्ट किए गए, जिससे साक्ष्य मिटाने की कोशिश की आशंका पैदा होती है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाई अब तक केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित दिखाई देती है, जबकि कथित रूप से बड़े और प्रभावशाली लोगों की भूमिका की जांच नहीं हो रही है। उन्होंने एसआईटी जांच को "आंखों में धूल झोंकने वाला प्रयास" बताते हुए कहा कि इससे वास्तविक जिम्मेदार लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री से मांग की कि मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच किसी स्वतंत्र उच्चस्तरीय एजेंसी से कराई जाए तथा इसकी निगरानी उच्चतम न्यायालय करे। उन्होंने कहा कि इससे करोड़ों श्रद्धालुओं का विश्वास बहाल होगा और भगवान राम के नाम पर स्थापित संस्था की पवित्रता सुरक्षित रह सकेगी।

तेलंगाना में कांग्रेस-बीआरएस के बीच टकराव तेज, हरीश राव समेत कई नेता गिरफ्तार

एजेंसी, हैदराबाद

तेलंगाना के बढ़ते कर्ज और गुरुकुल आवासीय स्कूलों के टेंडरों में कथित अनियमितताओं को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच राजनीतिक टकराव गुरुवार को उस समय चरम पर पहुंच गया, जब पूर्व मंत्री टी. हरीश राव सहित कई बीआरएस नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम के बाद राज्य की राजनीति में तनाव और बढ़ गया।

पुलिस ने टी. हरीश राव, वी. श्रीनिवास गौड़, बीआरएस महासचिव आरएस प्रवीण कुमार समेत कई नेताओं को तेलंगाना भवन के बाहर उस समय हिरासत में लिया, जब वे तेलंगाना शहीद स्मारक (गन पार्क) की ओर बढ़ रहे थे। कांग्रेस के मंत्रियों ने बीआरएस नेताओं को वहीं सार्वजनिक बहस की चुनौती दी थी। इस दौरान तेलंगाना भवन, गन पार्क और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात रहा, जबकि दोनों दलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे। गिरफ्तारी से पहले मीडिया से बातचीत में हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक द्वेष

का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे गुरुकुल स्कूल टेंडरों में कथित अनियमितताओं से जुड़े दस्तावेजी साक्ष्य लेकर बहस में हिस्सा लेने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस नेताओं ने खुद बहस की चुनौती दी थी, तो फिर उन्हें वहां जाने से क्यों रोका गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें मंत्री पोन्नम प्रभाकर से मिलने और बातचीत करने का अवसर नहीं दिया। हरीश राव ने कहा कि बीआरएस तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर अपने आरोप साबित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह विवाद तेलंगाना के कर्ज और आवासीय स्कूलों के टेंडरों में कथित गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस मंत्रियों और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव तथा वरिष्ठ नेता हरीश राव के बीच लगातार चल रही बयानबाजी और सार्वजनिक बहस की चुनौती से शुरू हुआ था। गुरुवार सुबह केटी रामा राव तेलंगाना भवन में मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव का इंतजार करते रहे, जबकि हरीश राव अपने समर्थकों के साथ गन पार्क के लिए रवाना हुए, लेकिन उन्हें रास्ते में ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वहीं, मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव पहले गांधी भवन में कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल हुए और बाद में कहा कि उन्होंने गन पार्क में बहस की चुनौती स्वीकार की है। उन्होंने केटी रामा राव और हरीश राव दोनों को एक साथ गन पार्क आने की चुनौती देते हुए कहा कि वे दोनों के सवालों का एक साथ जवाब देने को तैयार हैं। इस बीच मंत्री पोन्नम प्रभाकर, अदलूरी लक्ष्मण कुमार और मोहम्मद अजहरुद्दीन भी गन पार्क पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता बहस से बच रहे हैं। हालांकि, उसी समय पुलिस द्वारा बीआरएस नेताओं की गिरफ्तारी के कारण बहस हो नहीं सकी और दोनों दलों ने एक-दूसरे पर राजनीतिक नाटक करने का आरोप लगाया।

भाजपा ने गांधी-वाड्रा परिवार पर जमीन कब्जाने के लगाए आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा, रॉबर्ट वाड्रा और गांधी-वाड्रा परिवार पर जमीन कब्जाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ भूमि से जुड़े कई मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सहित विभिन्न एजेंसियां कर रही हैं और कई मामले अलग-अलग अदालतों में लंबित हैं। भंडारी ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि गांधी-वाड्रा परिवार का असली काम राजनीति करना या बिजनेस करना नहीं, बल्कि लोगों की जमीनों को हड़पना है। उत्तराखंड में चार एकड़ की भूमि है, खान फॉर्म एस्टेट नाम से, जो किच्छा, उधमसिंह नगर में आती है। इस भूमि की ओरिजिनल लैंड डीड कुल्सुम खान के नाम से है। यहां उनकी बहन 90 वर्षीय नसरीन खान रहती हैं। गांधी-वाड्रा परिवार जो खुद को मुस्लिमों का

हितैषी बताता है, लेकिन भूमि किसी की नहीं छोड़ता। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि नसरीन खान ने आरोप लगाया कि वह 90 वर्षीय मुस्लिम महिला हैं और कांग्रेस के कुछ लोग वाड्रा परिवार के लिए उनके खेत पर कब्जा दिलाने की कोशिश कर रहे थे। भंडारी ने दावा किया कि महिला ने कहा, "वे मेरे खेत पर वाड्रा परिवार के लिए कब्जा कराने आए थे।" भंडारी ने आरोप लगाया कि तथाकथित "गांधी-वाड्रा मॉडल" के तहत आम लोगों की जमीन पर कब्जा कर संपत्ति अर्जित की गई। यदि किसी बुजुर्ग महिला के आरोप सही हैं तो यह बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों से मामले की गहन जांच करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग भी की।

दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे पर सड़क धंसने पर मंत्रालय की सफाई, कहा- तुरंत मरम्मत की गई

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे पर भारी बारिश के बाद सड़क धंसने की घटना को लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी किया है। मंत्रालय ने कहा कि यह समस्या स्थानीय स्तर पर वर्षाजल के ठहराव और स्थायी क्रॉस-ड्रेनेज सिस्टम को चालू न कर पाने के कारण हुई। मंत्रालय ने बताया कि एक जुलाई की सुबह नियमित गश्त के दौरान प्रभावित हिस्से का पता चला और तुरंत मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया। क्षतिग्रस्त हिस्से को प्राथमिकता से ठीक कर यातायात को सुरक्षित और निर्बाध बनाया गया।

मंत्रालय ने कहा कि जिस बैलेंसिंग कल्वर्ट (जल निकासी संरचना) का निर्माण वर्षाजल निकासी के लिए किया गया था, उसे स्थानीय निवासियों के विरोध के कारण जोड़ा नहीं जा सका। लोग इसे वाहन पार करने के लिए इस्तेमाल कर रहे थे, जिससे निकासी

व्यवस्था चालू नहीं हो पाई और बारिश के दौरान पानी जमा होकर सड़क धंसने की स्थिति बनी। इसके अलावा स्थायी ढलान सुरक्षा और च्यूट ड्रेन का काम भूमि विवाद के कारण लंबित है। संबंधित भूमि मालिकों ने कार्य की अनुमति नहीं दी है, जिससे परियोजना डिजाइन के तहत प्रस्तावित सुरक्षा उपाय पूरे नहीं हो सके। मंत्रालय ने कहा कि एनएचएआई ने स्थिति से निपटने के लिए लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी अंतरिम समानांतर नाली का निर्माण शुरू किया है। इसका ढाल इस तरह से तैयार किया जा रहा है कि वर्षाजल सुरक्षित रूप से निकासी बिंदु तक पहुंच सके।

मध्य प्रदेश के ई-नगर पालिका पोर्टल को मिला राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के 'ई-नगर पालिका' पोर्टल को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के अंतर्गत साइबर सुरक्षा श्रेणी में प्रतिष्ठित रजत पुरस्कार प्राप्त हुआ है। जयपुर में 1 और 2 जुलाई को आयोजित 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार समारोह में यह सम्मान मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा आयुक्त संकेत भोंडवे को प्रदान किया गया।

जनसंपर्क अधिकारी अवंतिका जायसवाल ने गुरुवार को बताया कि मध्य प्रदेश को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान राज्य की दूरदर्शी नीति और तकनीकी श्रेष्ठता का जीवंत प्रमाण है। मध्य प्रदेश शासन

ने न केवल नागरिक सेवाओं को डिजिटल माध्यम से सुलभ और सुगम बनाया है बल्कि उन्हें एक अभेद्य सुरक्षा आवरण भी प्रदान किया है। नगरीय निकायों से जुड़े लाखों नागरिकों के संवेदनशील व्यक्तिगत एवं वित्तीय डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करना, पारदर्शी प्रशासन को अक्षुण्ण रखना तथा सुरक्षित आईटी अवसंरचना का निर्माण करना पोर्टल की विशेषता रही है। डिजिटल गवर्नेंस और जोखिम प्रबंधन के इन उच्चतम मानकों पर 'ई-नगर पालिका' पोर्टल ने देश के अन्य राज्यों के सम्मुख सुरक्षित डिजिटल सुशासन का एक अनुकरणीय प्रतिमान स्थापित किया है।

मप्र नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने आधुनिक तकनीकों और सुदृढ़ साइबर सुरक्षा उपायों के समन्वय से सदैव पारदर्शी, सुरक्षित एवं विश्वसनीय डिजिटल नागरिक सेवाओं को सर्वोपरि प्राथमिकता

♦ सुरक्षित सुशासन और डेटा संरक्षण के मानकों से सुदृढ़ हुई विभाग की डिजिटल विश्वसनीयता : आयुक्त भोंडवे

दी है। साइबर सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में अपनाए गए प्रभावी एवं कड़े वैश्विक मानकों का ही प्रतिफल है कि आज हमारी डिजिटल प्रणालियों की विश्वसनीयता राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ हुई है। विभाग भविष्य में भी नागरिकों को पूरी तरह सुरक्षित, भरोसेमंद और अत्याधुनिक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः कटिबद्ध रहेगा। आयुक्त भोंडवे ने इस अभूतपूर्व सफलता का श्रेय विभाग की संपूर्ण तकनीकी और प्रशासनिक टीम के सामूहिक प्रयासों को दिया।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

धनबाद, शनिवार 04 जुलाई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

बारिश में न दिखने वाले जहरीले कीड़ों से भर जाती हैं ये सब्जियां

मानसून का मौसम आ गया है और साथ ही बैक्टीरिया से होने वाली बीमारियां भी साथ लाया है। इस मौसम में हवा में ज्यादा नमी होती है जिससे बैक्टीरिया तेजी से फैलते हैं और यही वजह है कि इन दिनों कुछ भी अस्वस्थ खाने से बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। मानसून में पत्तेदार सब्जियां खाने से बचना चाहिए। पालक और लेट्यूस जैसी पत्तेदार सब्जियों में नमी की वजह से बैक्टीरिया और परजीवी आसानी से पैदा हो सकते हैं। साथ ही मानसून के दौरान ज्यादा ह्यूमिडिटी के कारण ये जल्दी खराब हो जाती हैं।

मानसून में इन सब्जियों पर कीड़े और अन्य मकोड़े लगने का खतरा ज्यादा होता है। साथ ही नमी वाली जलवायु इनकी सतह पर फफूंद और कवक पैदा कर सकती है।

बैंगन

मानसून के दौरान बैंगन में कीड़े लगने का अधिक खतरा रहता है। ज्यादा नमी इस सब्जी को जल्दी सड़ा भी सकती है और ये गलने लगती है। इसमें में अल्कलॉइड ज्यादा पाया जाता है जिससे इसका एसिडिक लेवल काफी बढ़ जाता है। इसके सेवन से आपको फूड पॉइजनिंग, उल्टी, खुजली, एलर्जी और बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है।

भिंडी

एक्सपर्ट के अनुसार, भिंडी नमी वाले मानसून के मौसम में जल्दी चिपचिपी हो जाती है और इस वजह से यह सब्जी खाने में अच्छी नहीं लगती है। ज्यादा नमी के कारण भिंडी के अंदर कीड़े भी लग जाते हैं।

टमाटर

टमाटर में भी मानसून के दौरान हवा में ज्यादा नमी की वजह से जल्दी फफूंद लगने लगती है और ये सड़ने लग जाते हैं। इनमें फंगल इंफेक्शन होने का भी खतरा ज्यादा होता है। इसके सेवन से कफ दोष बढ़ सकता है।

ग्रीन बीन्स

ग्रीन बीन्स भले ही सेहतमंद होती हैं और इनमें फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, लेकिन नमी की वजह से मानसून के मौसम में ये जल्दी खराब हो सकती हैं। इनमें इस मौसम में आसानी से फफूंद लग सकती है या फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

गोभी

गोभी, ब्रोकली और ब्रसेल्स स्प्राउट सब्जियों का मानसून के मौसम में कम सेवन किया जाना चाहिए। भले ही ये बहुत पौष्टिक होती हैं, लेकिन इन सब्जियों में गड्ढे और दरारें होती हैं, जिनमें पानी जम सकता है और बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। बारिश के दिनों में इनको अच्छी तरह धोना मुश्किल होता है, जिससे इनमें संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है।

जड़ वाली सब्जियां

गाजर, मूली, और शलगम जैसी जड़ वाली सब्जियां मानसून के दौरान खाने के लिए आम तौर पर सुरक्षित मानी जाती हैं। हालांकि, इस मौसम में मिट्टी में ज्यादा नमी होने के कारण ये सब्जियां ज्यादा पानी सोख लेती हैं, जिससे ये जल्दी खराब हो सकती हैं।

मशरूम

कई लोगों को खाने में मशरूम बहुत पसंद होता है, लेकिन मानसून में इन्हें कम खाना ही बेहतर होता है। मानसून में ज्यादा नमी और गीली हवा की वजह से मशरूम में जल्दी फफूंद और बैक्टीरिया लगने लगते हैं। जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर है या पाचन संबंधी समस्याएं हैं उन्हें खासतौर पर सतर्क रहना चाहिए। मशरूम पचाने में थोड़े मुश्किल होते हैं और ये मौजूदा स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकते हैं।

दिमाग के लिए खतरनाक साबित हो रहा है क्लाइमेट में बदलाव

हमारे क्लाइमेट में तेजी से बदलाव आ रहा है और ये दिमाग के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। कुछ शोध बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण इंसानों के दिमाग का साइज करीब 10 प्रतिशत तक सिकुड़ गया है। हमारे रोजमर्रा के 3 काम भी दिमाग को ठप कर सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट के मुताबिक, अनहेल्दी डाइट, अत्यधिक मीठा और एक्सरसाइज न करने पर दिमाग की ताकत कम होती रहती है। इसका सबसे पहला लक्षण याददाश्त कमजोर होना है। आप इस समस्या को 6 जड़ी-बूटियों से ठीक कर सकते हैं। आइए ब्रेन के लिए लाभदायक इन हर्बल टॉनिक के बारे में जानते हैं।

करक्यूमिन

दिमाग तेज करने के लिए हल्दी जरूर खाएं। इसमें करक्यूमिन होता है। यह कंपाउंड अल्जाइमर की बीमारी को रोकता है और याददाश्त मजबूत करने में मदद करता है। आप इसे खाने के अंदर या हर्बल चाय बनाकर ले सकते हैं।

ब्राह्मी

ब्राह्मी एक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है, जिसे कई सारे ब्रेन टॉनिक बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। यह आपकी याददाश्त बढ़ाने के साथ मानसिक समस्याओं को दूर रखने में मदद करती है। बच्चों का दिमाग शार्प करने के लिए भी इसका सेवन करवाया जा सकता है।

शंखपुष्पी और अश्वगंधा

न्यूट्रिशनिस्ट अंजलि मुखर्जी ने ब्रेन हेल्थ के लिए शंखपुष्पी और अश्वगंधा को फायदेमंद बताया है। आप इन हर्बल ब्रेन टॉनिक का उपयोग करके याददाश्त बढ़ा सकते हैं। ये दोनों हर्ब्स दिमाग की ताकत कम होने से बचाती हैं।

गिंको बाइलोबा

दुनियाभर में ब्रेन फंक्शन बढ़ाने के लिए गिंको बाइलोबा का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें काफी सारे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो उम्र बढ़ने के बावजूद दिमाग को जवान रखते हैं। यह ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ाती है, जिससे न्यूरल फंक्शन में सुधार आता है।

लेसिथिन

यह कंपाउंड सोयाबीन और अंडे के पीले भाग में मिलता है। यह कई सारे फैट्स का मिक्सचर होता है। सेल्स को सही तरह से कामकाज करने के लिए इसकी जरूरत होती है। यह दिमाग में acetylcholine बनाने में भी मदद करता है।

सामान्य बात है मानसून में बाल झड़ना

जिस तरह मानसून में बारिश का होना तय है, उसी तरह इस मौसम में बालों का झड़ना भी निश्चित है। यदि इस मौसम में आपके बाल भी सामान्य से थोड़े ज्यादा झड़ रहे हैं तो यह बिल्कुल सामान्य बात है। जी हां, इस बात से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। वर्ल्ड ट्राइकोलॉजी सोसाइटी के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि नमी वाले मौसम में बालों का झड़ना लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं।

बारिश के मौसम में क्यों झड़ते हैं बाल

मानसून में पर्यावरण में मौजूद अत्यधिक नमी की वजह से बाल झड़ते हैं। बाल इस नमी को सोख लेते हैं और रूखे, उलझे और बेजान नजर आते हैं। इसकी स्वाभाविक नमी कम होती है, जिसकी वजह से सिर की त्वचा भी रूखी नजर आती है। ये बालों के फॉलिकल्स को कमजोर बनाते हैं और बाल झड़ने लगते हैं। नमी के बढ़ने से बालों के फॉलिकल्स बंद हो जाते हैं और जिससे बाल चिपचिपे हो जाते हैं।

एक दिन में कितने बाल झड़ना सामान्य बात

नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, सामान्य मौसम में एक दिन में व्यक्ति के 80-100 बाल झड़ते हैं। जबकि मॉनसून के दौरान, एक व्यक्ति के प्रतिदिन 250 बाल झड़ते हैं।

बाल झड़ने का कारण

बालों का झड़ना अनियंत्रित थायरॉइड के स्तर, एनीमिया (हीमोग्लोबिन का निम्न स्तर), हॉर्मोन्स का सही रूप में काम ना करना, पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) और हाई ब्लड प्रेशर के भी संकेत हो सकते हैं।

यही वजह है कि बालों के असामान्य तरीके से झड़ने पर जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। बालों के झड़ने की समस्या को नजरअंदाज करने से यह कई लोगों में पूरी तरह से गंजेपन का कारण बन सकती है, खासकर उन लोगों में जिन्हें आनुवंशिक रूप से बालों के झड़ने की समस्या का जोखिम है।

द ट्राइकोलॉजिकल सोसाइटी, लंदन के पहले भारतीय अध्यक्ष डॉ. बत्रा के अनुसार बालों के झड़ने को होम्योपैथी दवाओं और उपचार की मदद से आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। ये दवाएं बिना किसी साइड इफेक्ट के बालों के झड़ने के मूल कारण का उपचार कर बालों की स्थिति को बेहतर बनाती है। ये बालों को जड़ों से पोषण देने और बालों के फिर से निकलने में मदद करती हैं।

होम्योपैथी दवाएं पूरी जांच और केस का मूल्यांकन करने के बाद दी जाती हैं, जिसमें रोगी की मेडिकल हिस्ट्री और उनकी मानसिक और शारीरिक बनावट भी शामिल है।

शैम्पू

भले ही बारिश में भीगने का आनंद लें लेकिन उसके बाद बालों को जरूर धोएं। बारिश के पानी को हटाने के लिये शैम्पू से अपने बालों को धोएं, क्योंकि बारिश का पानी गंदगी से भरा होता है। नमी वाले इस मौसम में चिपचिपेपन और पसीने को दूर रखने के लिए हफ्ते में 2-3 बार शैम्पू करें।

बालों के झड़ने की समस्या को कैसे दूर करें

अपने बालों को सही तरीके से सुखाएं

अपने बालों को सुखाने के लिये माइक्रोफाइबर तौलिए का इस्तेमाल करें, यह तुरंत ही पानी को सोख लेता है और आपके बालों तथा तौलिए के बीच कम से कम घर्षण होता है।

कंडीशनर लगाएं

बारिश के पानी के साथ बालों में आने वाली उलझन को सुलझाने के लिये एक अच्छा कंडीशनर जरूरी है। बालों को झड़ने से रोकने वाले कंडीशनर का इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों में नमी लॉक हो जाए और उसे मजबूती और सुरक्षा मिले।

बालों में तेल लगाना बेहद जरूरी है

अपने बालों में तेल जरूर लगाएं, लेकिन बालों को टूटने से बचाने के लिये हल्के हाथों से मसाज करें। हफ्ते मे एक या दो बार सही पोषण के लिये अच्छा है, हालांकि बार-बार तेल लगाने की सलाह नहीं दी जाती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हवा में मौजूद अत्यधिक नमी की वजह से सिर पर पहले से ही ऑयल होता है।

सही कंघी का चुनाव करें

गीले बालों में कंघी ना करें, क्योंकि इससे वे कमजोर हो जाते हैं। अपने बालों को आसानी से सुलझाने के लिये चौड़े दांतों वाले कंघे का इस्तेमाल करें। यदि घरेलू उपचारों से बालों के झड़ने में कोई सुधार नजर नहीं आ रहा तो फिर इंतजार ना करें।

होम्योपैथिक उपचार

- विस्बाडेन 30सी, कुछ महीनों के लिये दिन में दो बार - बालों के प्राकृतिक विकास को बढ़ावा देता है।
- फ्लोरिक एसिड 6सी, 5 गोलियां दिन में दो बार - पैची बालों के झड़ने का इलाज करने में मदद करता है और स्वस्थ प्राकृतिक बालों के विकास को बढ़ावा देता है।
- सीपिया, सल्फर, फॉस्फोरिक एसिड, लैकेसिस और ग्रेफाइट्स - बालों के झड़ने के इलाज में मदद करते हैं।
- थूजा ऑक्सिडेंटैलिस 30सी, 5 गोलियां महीने में केवल एक बार दिन में दो बार- बालों के झड़ने के आनुवंशिक कारण के लिये।

क्या आप जानते हैं बारिश के मौसम में रोज 1 चम्मच शहद खाने से क्या होता है

शहद गुणों की खान होता है। इसका इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है। क्या आप जानती हैं कि अगर मानसून में आप रोज एक चम्मच शहद खाएंगे, तो इससे आपको अनगिनत फायदे मिल सकते हैं।

मानसून में कई बीमारियों का खतरा रहता है। बदलते मौसम के बीच, बुखार, जुकाम, सिरदर्द, जोड़ों का दर्द और डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें काफी आम रहती हैं। ऐसे में सेहतमंद रहने के लिए डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। बारिश में सही खान-पान बहुत जरूरी है ताकि इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। जहां इम्यूनिटी कमजोर होने पर बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं। वहीं, इम्यूनिटी मजबूत होने पर इंफेक्शन्स का खतरा कम रहता है। सेहतमंद रहने के लिए, बारिश में डाइट में कई खास चीजों को शामिल करना चाहिए। आयुर्वेद मानसून में रोज 1 चम्मच शहद खाने की सलाह देता है। जी हां, अगर मानसून में आप रोज एक चम्मच शहद खाएंगी, तो इससे आपको अनगिनत फायदे मिल सकते हैं। इसे खाने का सही तरीका और इसके फायदों के बारे में आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानते हैं।

बारिश के मौसम में शहद खाने के फायदे

- शहद का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और कई बीमारियों से बचाव होता है।
- इससे सर्दी-खांसी और जुकाम से बचाव में भी मदद मिलती है।
- शहद में प्रीबायोटिक गुण होते हैं। रोजाना 1 चम्मच शहद खाने से मानसून में होने वाली पाचन संबंधी दिक्कतों में आराम मिलता है।
- अगर आप वजन कम करना चाहती हैं, तो भी शहद का सेवन पायदेमंद रहता है।
- शहद में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह मौसमी बीमारियों और इंफेक्शन्स को दूर करता है।
- रोजाना 1 चम्मच शहद खाने से कमजोरी दूर होती है और शरीर को ताकत मिलती है।

शहद खाने का सही तरीका

- शहद को आप मानसून में कई तरीकों से डाइट में शामिल कर सकती हैं।
- वजन कम करने के लिए 1 चम्मच शहद को पानी में मिलाकर खाएं।
- खांसी को दूर करने के लिए रात को 1 चम्मच शहद काली मिर्च के साथ खाएं।
- मानसून में 1 चम्मच शहद में सोंठ यानी सूखी अदरक का पाउडर मिलाकर खाना भी फायदेमंद रहता है।